दैनिक

नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-31 अंक-53 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 04 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

वक्फ संशोधन विधेयकः रिजिजू ने किया राज्यसभा में पेश, विपक्ष का कड़ा विरोध

नई दिल्ली,(ए.)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश कर दिया। लोकसभा में 12 घंटे से अधिक लंबी बहस के बाद पारित हुए इस विधेयक पर अब राज्यसभा की मुहर लगनी बाकी है। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि यह विधेयक आसानी से पास हो जाएगा, जबकि विपक्ष ने इसे रोकने के लिए पूरी ताकत झोंकने का ऐलान किया है।विधेयक पेश करते हुए किरेन रिजिजू ने बताया कि देश में 8.72 लाख वक्फ संपत्तियां हैं, जिनकी आय अरबों रुपये में होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 2006 में सच्चर समिति ने 4.9 लाख वक्फ संपत्तियों की आय 12,000 करोड़ रुपये आंकी थी, जिससे आज की आय का अंदाजा लगाया जा सकता है। रिजिजू ने कहा कि राज्य सरकारों, अल्पसंख्यक आयोगों और वक्फ बोर्डों से बातचीत के बाद ही यह विधेयक लाया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के माध्यम से विधेयक पर व्यापक चर्चा हुई थी। रिजिजू ने विपक्ष से इस विधेयक का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि यह किसी एक वर्ग के खिलाफ नहीं है, बल्कि शिया और सुन्नी समेत सभी मुस्लिम समुदायों को एकजुट करने वाला कदम है।

जोरदार हंगामें के बीच विपक्ष का विरोध

विपक्षी दलों ने इस विधेयक को मुस्लिम विरोधी बताते हुए संसद में जोरदार हंगामा किया। उनका कहना है कि सरकार वक्फ संपत्तियों को नियंत्रित करने और अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में विपक्ष ने इस विधेयक का पुरजोर विरोध किया था, लेकिन सरकार ने बहुमत के दम पर इसे पारित करा लिया।

रिजिजू का जवाब

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, यह कहना गलत है कि हिंदुस्तान में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। मैं खुद अल्पसंख्यक हूं और कह सकता हूं कि भारत से ज्यादा अल्पसंख्यक कहीं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार हर अल्पसंख्यक समुदाय, यहां तक कि छोटे पारसी समुदाय की भी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यसभा में यदि यह विधेयक पारित हो जाता है, तो यह कानून का रूप ले लेगा और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा।

मजदूर का बेटा हूं, झुकूंगा नहीं, पुष्पा स्टाइल में इस बात को लेकर राज्यसभा में गरजे मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को राज्यसभा में अपनी सख्त नाराजगी व्यक्त की। खड़गे बुधवार को लोकसभा में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा किए गए वक्तव्य से नाराज थे। खड़गे ने कहा कि अनुराग ठाकुर ने उनके ऊपर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाए हैं।खड़गे ने कहा, अनुराग ठाकुर को अपना आरोप सिद्ध करना चाहिए। यदि वे आरोप सिद्ध नहीं कर सकते, तो वे लोकसभा से इस्तीफा दे दें और यदि वे आरोप सिद्ध कर दें, तो मैं इस्तीफा दे दूँगा। इसके साथ ही खड़गे का कहना था कि वे भारतीय जनता पार्टी के इस व्यवहार से डरेंगे या झुकेंगे नहीं।

गौरतलब है कि बुधवार को लोकसभा में वक्फ विधेयक पर बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने इसमें गड़बड़ी की बात कही थी और मल्लिकार्जुन खड़गे का भी नाम लिया था। इस बार गुरुवार को खड़गे ने राज्यसभा में कहा, मेरे ऊपर कभी किसी ने ऐसे आरोप नहीं लगाए, मेरा जीवन सदैव साफ-सुथरा रहा है। मुझ पर विधानसभा में भी कभी यदि किसी ने आरोप लगाए, तो सभी लोगों ने एकजुट होकर मेरा साथ दिया। मैं ऐसी चीजों से डरने वाला नहीं हूँ, मेरे जीवन पर किसी ने आज तक उंगली नहीं उठाई। उन्होंने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी के लोग मुझे डराकर झुकाना चाहते हैं, तो न मैं डरूंगा और न ही झुकूंगा। मैंने एक इंच भी जमीन किसी की नहीं ली। उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर ने जिस प्रकार के आरोप मुझ पर लगाए हैं, मैं उनकी निंदा करता हूं। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। खड़गे ने कहा, मेरा जीवन हमेशा एक खुली किताब की तरह रहा है।

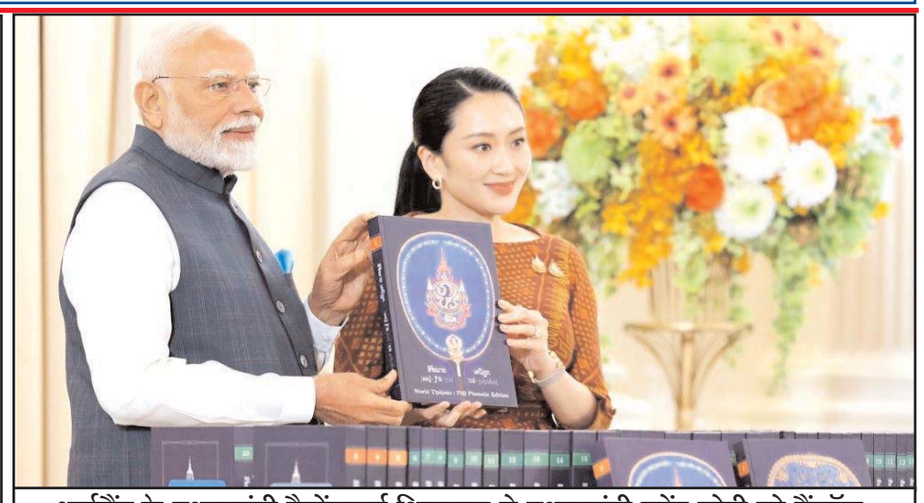

थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बैंकॉक, थाईलैंड के सरकारी भवन में पाली भाषा में विश्व टिपिटका भेंट किया।

माता की पूजा से पहले गांव में पसरा मातम, कुएं में डूबे आठ लोग

खंडवा (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव से दुखद घटना सामने आई है। जहां गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई करते समय 8 लोग डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस व प्रशासन ने रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा। फिलहाल, डूबने वालों की पहचान नहीं हो पाई है।गांव के चौक में स्थित कुएं में दलदल और कचरा होने से जहरीली गैस से यह हादसा होने की बात कही जा रही है। कुएं में अंदर कितने व्यक्ति है, इसकी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही एसपी मनोज राय, एसडीएम बजरंग बहादूर सिंह और छैगांवमाखन पुलिस मौके पर रवाना हो गई है। घटना से गांव में मातम पसर गया है।

खंडवा जिले में हुई दुर्घटना पीड़ा दायक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रभावित परिवारों को दी जाएगी 4-4 लाख रूपए की सहायता राशि

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले में हुई दुर्घटना में आठ व्यक्तियों की मृत्यु पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खंडवा जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव में गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई के लिए उतरे एक व्यक्ति के दलदल में फंसने पर बचाने के प्रयास में एक के बाद एक कुएं में उतरे अन्य 7 व्यक्ति भी दलदल में फंस गए। कुएं में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण सभी 8 व्यक्तियों का असामयिक निधन हो गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस बल, जिला प्रशासन, होम गाड्र्स एवं एसडीईआरएफ की टीम ने जॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि दु:ख की इस घड़ी में सभी शोकाकुल परिजनों के साथ मेरी गहरी शोक संवेदनाएं हैं।

लंदन से मुंबई आ रही फ्लाइट पहुंची टर्की, 15 घंटे से फंसे 200 से ज्यादा भारतीय

नई दिल्ली (आरएनएस)। लंदन से मुंबई आ रही वर्जिन अटलांटिक एयरलाइन की फ्लाइट में यात्री करीब 15 घंटे तक फंसे रहे। जानकारी के अनुसार फ्लाइट में 200 से अधिक भारतीय थे। फ्लाइट को आपात मेडिकल केस के कारण टर्की डायवर्ट कर दिया गया। एयरलाइन ने सफाई देते हुए कहा कि मेडिकल इमरजेंसी और टेक्निकल जांच के लिए फ्लाइट को डायवर्ट करना पड़ा। हालांकि ये ताज्जुब की बात है कि किसी फ्लाइट में एक साथ मेडिकल इमरजेंसी और टेक्निकल फॉल्ट देखने को मिला है। बहरहाल इस डायवर्जन के कारण यात्री पिछले 15 घंटे से भी ज्यादा समय से टर्की में फंसे हुए हैं। बता दें कि वर्जिन अटलांटिक की फ्लाइट VS358 ने 2 अप्रैल को लंदन से मुंबई के लिए उड़ान भरी थी। लेकिन अचानक इसे टर्की के दियारबाकिर एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। एयरलाइन ने कहा कि फ्लाइट की टेक्निकल जांच भी की जाएगी। इस संबंध में एक एक्स यूजर ने भारतीय दूतावास से दखल देने की अपील की। उसने लिखा, 'लंदन से उड़ान भरने के बाद मुंबई जाने वाली वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट को दियारबाकिर एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी।

हर व्यक्ति एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद सकता, साबित करो कि ग्रीन पटाखों से प्रदूषण नहीं होता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों से होने वाले प्रदुषण के मुद्दे पर सुनवाई की गई है। कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों पर पूरी तरह से लगाए प्रतिबंध को सही ठहराया। हालांकि कोर्ट में सेंट्रल पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड, NEERI, CSIR की ओर से पेश रिपोर्ट में कहा गया था कि बाकी पटाखों के मुकाबले ग्रीन पटाखों से 30 फीसदी कम प्रदूषण होता है। इस रिपोर्ट के मद्देनजर पटाखा निर्माता कंपनियों ने छूट की मांग भी की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक ये साबित नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से न के बराबर प्रदूषण होता है, तब तक बैन के पुराने आदेश में बदलाव का कोई औचित्य नजर नहीं आता।

कोर्ट ने कहा कि स्वास्थय का अधिकार आर्टिकल 21 के तहत जीने के अधिकार का हिस्सा है। लोगों को स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार है। कोर्ट ने भी पहले जो पटाखों पर बैन का फैसला लिया था, वो भी दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण के बेहद खतरनाक स्तर के मद्देनजर लिया गया था। आम आदमी पर इसका क्या असर होता होगा वो समझा जा सकता है कि क्योंकि हर कोई एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद सकता। एक बड़ा तबका जो सड़क पर, गलियों में काम करता है, प्रदूषण का असर उस पर सबसे दा ज्यादा होता है। कोर्ट ने

पटाखा निर्माता कंपनियों को जिम्मेदारी का एहसास दिलाते हुए कहा कि उनकी भी जिम्मेदारी बनती है कि दिल्ली प्रदूषण रहित रहे. उनकी जिम्मेदारी है कि वो अपने कथित ग्रीन पटाखों की गुणवत्ता में और सुधार करें। सुप्रीम कोर्ट ने NCR के अंतर्गत आने वालें राज्यों को निर्देश दिया कि राज्य पटाखों पर बैन के लिए प्रभावी कदम उठाएं। राज्य सरकारें ऐसी मशीनरी बनाएं जो बैन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करे।

कोर्ट ने कहा कि दिल्ली और हरियाणा ने पटाखों की ऑनलाइन बिक्री के आदेश पर पालन किया है। कोर्ट ने राजस्थान और यूपी से कहा है कि वो भी ऑनलाइन ब्रिक्री पर रोक लगाए और दो हफ्ते में इस आदेश पर अमल को लेकर रिपोर्ट दे। सुनवाई के दौरान मुकेश जैन नाम के एक शख्श ने पटाखों पर बैन को अंतरराष्ट्रीय साजिश करार देते हुए प्रदूषण के मामले में मूल याचिकाकर्ता एम सी मेहता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुकेश जैन ने आरोप लगाया कि एमसी मेहता को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से पैसा मिला है, जिनके नक्सली संगठनों से संबंध हैं। कोर्ट ने इस पर आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि हम एमसी मेहता को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते हैं, पर वो लगातार पर्यावरण के अलग-अलग गंभीर मसलों को अपनी याचिकाओं के जरिए कोर्ट में रखते रहे हैं। कोर्ट 1984 से उनकी याचिकाओं पर आदेश पास करता रहा है। उनके मामलों में जो आदेश पास किये गए हैं। उनके तहत सरकार और एजेंसियों को प्रदूषण पर लगाम लगाने में कामयाबी मिली है। कोर्ट ने मुकेश जैन के रुख पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए चेतावनी दी कि ऐसे आरोप बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। हालांकि कोर्ट ने मुकेश जैन पर कोई जुर्माना नहीं लगाया, चेतावनी देकर छोड़ दिया।

भाजपा की जमीन हड़पने की मंशा के विरोध में वक्फ बिल के खिलाफ दिया वोट : उद्धव ठाकरे

मुंबई (आरएनएस)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की जमीन हड़पने और अपने उद्योगपति मित्रों को देने की चाल का विरोध करने के लिए संसद में वक्फ विधेयक के खिलाफ मतदान किया।

ठाकरे ने कहा, ये बिल सिर्फ जमीन के लिए लाया गया है। हमने बिल का विरोध नहीं किया है, हमने भ्रष्टाचार का विरोध किया है। हमने उनके द्वारा किए गए नाटक का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा मुसलमानों को नापसंद करती है तो उसे अपने पार्टी के झंडे से हरा रंग हटा देना चाहिए। एक तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम भाजपा नेता विधेयक की वकालत करते हुए मुसलमानों को खुश करने वाले भाषण दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने विधेयक के खिलाफ वोट देने वालों को निशाना बनाया है। ठाकरे ने कहा, अगर इसका उद्देश्य मुसलमानों को खुश करना है, तो हिंदुत्व किसने छोड़ा - बीजेपी ने या हमने, जिन्होंने बिल का विरोध किया? वे हमें कैसे दोषी ठहरा सकते हैं? बीजेपी ने केंद्र में तीसरी बार जीत हासिल की है और चीजें अच्छी चल रही हैं, फिर भी वह हिंदू-मुस्लिम मुद्दों को उठा रही है।

हिमाचल प्रदेश : चैत्र नवरात्र में माता श्री नैना देवी के दरबार में नारियल चढ़ाने पर प्रतिबंध

बिलासपुर (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री नैना देवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के छठे दिन माता कात्यायनी के दर्शन के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु माता के कात्यायनी स्वरूप की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रहे हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना भी कर रहे हैं।

हालांकि, इस दौरान मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से नारियल चढ़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रखा है, जो हर साल नवरात्रि के दौरान लागू किया जाता है। चैत्र नवरात्रि के चलते मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। मंदिर के मुख्य द्वार पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा नारियल एकत्र कर लिया जाता है, और किसी को भी मंदिर के अंदर नारियल ले जाने की अनुमति नहीं दी जाती। माता के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को निकासी द्वार के बाहर नारियल प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। यह व्यवस्था न केवल सुरक्षा को सुनिश्चित करती है, बल्कि मंदिर में दर्शन की प्रक्रिया को भी सुचारू बनाए रखती है।

मंदिर के पुजारी तरुणेश शर्मा ने बताया कि नवरात्रि के दौरान हर साल नारियल और कड़ा प्रसाद चढ़ाने पर रोक लगाई जाती है।

उन्होंने कहा, यह निर्णय कानून-व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं को निर्बाध रूप से दर्शन का लाभ प्रदान करने के लिए लिया जाता है। यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है और इसका कड़ाई से पालन किया जाता है।

वहीं एक श्रद्धालु ने बताया, हर बार की तरह इस बार भी नवरात्रि के दौरान नारियल गेट पर ही जमा कर लिए गए। मंदिर प्रशासन इस नियम का सख्ती से पालन करता है, और हमें दर्शन के बाद प्रसाद मिल जाता है। यह व्यवस्था हमारे लिए भी सुविधाजनक है और इससे मंदिर में भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिलती है। श्री नैना देवी मंदिर में नवरात्रि के दौरान हर दिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, वहीं प्रशासन ने सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

वातावरण में छा रहे धूल और धुंआ बन रहे परेशानी

नर्मदापुरम (निप्र)। पिछले कुछ दिनों से वातावरण में जो धूल और धुंआ छाया हुआ है। उससे लोगों को परेशानी हो रही है। कुछ लोगों की आंखों में जलन होती है तो कुछ को घबराहट होती है। देखने में आ रहा है कि सुबह के समय धुंआ और शाम के समय जब हवाएं तेज चलने लगती हैं उससे सड़कों पर पड़ी धूल परेशानी का कारण बनती है। इसमें अनेक लोग जो ग्रह निर्माण सामग्री को सड़कों के पास ही डाल देते हैं वह सड़क पर फैल जाती है। उस पर जब बार बार वाहन निकलते हैं तो उससे धूल बड़ती जाती है। यही धूल जब शाम को हवा के साथ उड़ती है तो लोगों को परेशानी का कारण बनती है। इसी प्रकार गेहूं की फसल कटने के बाद कुछ किसानों के द्वारा चुपके से रात के समय खेतों की नरवाई में आग लगाई जाती है उससे धुआं बनता है यह धुंआ हवा के साथ शहरी क्षेत्र में भी फैल जाता है। जिससे सुबह के समय परेशानी उत्पन्न कर रहा है। कोठीबाजार निवासी समाजसेवी गोपीकांत घोष ने बताया कि सुबह जब उनकी नींद जल्दी खुल गई तो घर के आसपास धुंआ ही धुंआ नजर आया तो वे आग की आशंका से डर डर गए। तुरंत बाहर निकलकर देखा तो हर तरफ धुंआ ही धुंआ नजर आया तब कहीं उन्हें राहत मिली। लेकिन धुंआ के कारण आंख में जलन भी मेहसूस हुई।

ड्रमकांड के बाद चर्चा में आया बैग, सास की हत्या कर बहू ने बैग में छिपाई लाश

मुंबई (आरएनएस)। जिस बहू को करीब 6 महीने पहले सास ने खुशी खुशी ब्याह कर घर लाया था उसी बहू ने सास की कथित रूप से हत्या कर दी। कथित आरोपी महिला का नाम प्रतीक्षा शिंगारे है और वह 22 साल की है। उसने छह महीने पहले आकाश शिंगारे से शादी की थी। आकाश लातूर में एक निजी कंपनी में काम करता है। यह वारदात महाराष्ट्र के जालना जिले में हुई। आरोपी महिला अपनी सास सविता शिंगारे (45) के साथ जालना की प्रियदर्शनी कॉलोनी में किराए के मकान में रहती थी। पुलिस उपनिरीक्षक राजेंद्र वाघ ने बताया कि मंगलवार रात दोनों महिलाओं के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर अपनी सास का सिर दीवार पर पटक दिया और बाद में रसोई के चाकू से उस पर हमला कर दिया। इस वजह से उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए एक बैग में रखा, लेकिन वजन के कारण वह शव को हिला नहीं पाई और बुधवार सुबह करीब 6 बजे घर से भाग गई। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मेरठ में सौरभ नामक व्यक्ति का उसकी पत्नी और प्रेमी ने कत्ल करके शव ड्रम में छिपा दिया था।

विविध-समाचार

मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक फैसलाः बेटी से दुष्कर्म के अपराधी को तीन बार फांसी की सजा

भोपाल (आरएनएस)। बेटी के साथ दुष्कर्म करने वाले अपराधी को तीन प्रकरणों के आधार पर तीन बार फांसी की सजा मिली है, जो भविष्य में अपराध करने वालों के लिए मिसाल बनेगी। हमारी मध्यप्रदेश सरकार किसी भी अपराधी को छोड़ने वाली नहीं, ऐसे अपराधियों को सजा दिलाकर पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, सीएम मोहन यादव।

सड़क किनारे खड़े होकर रैपिडो बुक कर रहे युवक का बदमाश ने स्मार्टफोन लूटा

भोपाल(ए.)। राजधानी के हबीबगंज थाना इलाके में सड़क किनारे खड़े होकर रैपिडो बुक कर रहे युवक को धक्का देकर अज्ञात बदमाश उसका कीमती स्मार्टफोन छीनकर तेजी से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फरियादी आकाश त्रिपाठी ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की बुधवार रात करीब 11 बजे वह सड़क किनारे खड़े होकर मोबाइल हाथ में पकड़कर रैपिडो बुक कर रहा था। उसी समय अज्ञात बदमाश तेजी से आया और उसे धक्का देते हुए हाथ में पकड़ा 30 हजार कीमत का फोन छीनकर भाग गया। इससे पहले युवक कुछ संभल पाता आरोपी वहॉ से भाग चुका था। शिकायत मिलने पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस उसकी पहचान जुटाने के लिये घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही हैं। वहीं फरियादी द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर भी पुलिस इलाके के सदिंग्धो सहित ऐसे आरोपियो की कुंडली खंगाल रही है, जो मोबाइल लूट की वारदातो को अंजाम दे चुके है, और हाल ही में जेल से बाहर आये है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी की पत्रकारवार्ता

भोपाल(आरएनएस)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारवार्ता को संबोधित कर प्रदेशभर में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी और नियमों का उल्लघंन कर अत्यंत महंगी किताबों और ड्रेस की अपनी चहेती (कमीशन देने वाली) दुकान से बिक्री तथा फीस वृद्धि के खिलाफसख्त कार्रवाई की मांग की वहीं त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजा , पत्र के माध्यम से त्रिपाठी ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निजी स्कूलों की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने हेतु तत्काल निर्देश जारी करने की मांग की । पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अनुचित शुल्क वसूली, महंगी निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता, तथा आरटीई नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर समस्याओं को कांग्रेस द्वारा समय समय पर उजागर किया गया। जिसकी विधिवत शिकायत हमारे द्वारा शासन एवं प्रशासन के जिम्मेदार व्यक्तियों को लगातार की जा रही हैं परन्तु जिम्मेदार अधिकारी शिक्षा माफियाओं के दबाव में कोई कार्यवाही नहीं कर रहें ।

सेना के सेवानिवृत्त सूबेदार की मौत

भोपाल (आरएनएस)। हाउसिंग बोर्ड करोंद, इंद्रा आश्रय कॉलोनी के निवासी और सेना से रिटायर्ड सूबेदार विनय किशोर त्रिपाठी का बीते 1 अप्रैल की रात अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने से निधन हो गया। रात करीब 11 बजे उन्हें अचानक उल्टियां होने लगीं और वे बेहोश हो गए। इस पर उनके पिता चंद्र प्रकाश त्रिपाठी तुरंत उन्हें मिलिट्री अस्पताल बैरागढ़ ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन उनकी हृदय गति रुक चुकी थी।घटना की जानकारी मिलते ही उनके परिजनों और पड़ोसियों ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद शव को हमीद अस्पताल की मॉर्च्युरी भेजा गया। 3 अप्रैल को पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

विनय किशोर त्रिपाठी दिसंबर 2021 में भारतीय सेना से सूबेदार पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके बच्चे बेंगलुरु में पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी पुणे में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूलों की मनमानी पर प्रदेश सरकार का अंकुश क्यों नहीं-विवेक त्रिपाठी

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारवार्ता को संबोधित कर प्रदेशभर में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी और नियमों का उल्लघंन कर अत्यंत महंगी किताबों और ड्रेस की अपनी चहेती (कमीशन देने वाली) दुकान से बिक्री तथा फीस वृद्धि के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की वहीं त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजा, पत्र के माध्यम से त्रिपाठी ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निजी स्कूलों की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने हेतु तत्काल निर्देश जारी करने की मांग की। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अनुचित शुल्क वसूली, महंगी निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता, तथा आरटीई नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर समस्याओं को कांग्रेस द्वारा समय समय पर उजागर किया गया। जिसकी विधिवत शिकायत हमारे द्वारा शासन एवं प्रशासन के जिम्मेदार व्यक्तियों को लगातार की जा रही हैं परन्तु जिम्मेदार अधिकारी शिक्षा माफियाओं के दबाव में कोई कार्यवाही नहीं कर रहें । जिसके कारण मध्यप्रदेश के पीड़ित अभिभावकों में रोष व्याप्त हैं, जिसको दृष्टिगत रखते हुए हम शासन से निम्नलिखित मांग करते हैं एनसीईआरटी की किताबों को 1st क्लास से ही अनिवार्य किया जाए, वहीं नर्सरी केजी-1 केजी 2 की किताबों में 5 वर्ष तक किसी भी बदलाव पर अंकुश लगे ताकि बार-बार अभिभावकों पर महंगी किताबों का आर्थिक बोझ न पड़े। 2. स्कूलों द्वारा चुनिंदा दुकानों से खरीददारी कराने पर रोक लगे और इस पर सख्त कार्रवाई की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा पोर्टल पर किताबों की सूची तत्काल डाली जाएं। 3. नियम विरुद्ध मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले स्कूलों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो 10 प्रतिशत का नियम कढ़ाई से लागू हो। 4. कांग्रेस सरकार की योजना शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत गरीब बच्चों को अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाए और इसके पालन की निगरानी हो जिसके लिए जिला और प्रदेश स्तर पर उचित शिकायतें निवारण प्रकोष्ठ बनें। 5. जिला कलेक्टर कार्यालय में एक विशेष दिन शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित शिकायतों की जनसुनवाई की जाएं।विवेक त्रिपाठी ने कहा कि हाल ही में जबलपुर कलेक्टर द्वारा निजी स्कूलों पर की गई कार्रवाई एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे शिक्षा माफियाओं पर अंकुश लगा है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि ऐसी कार्रवाई पूरे प्रदेश में सुनिश्चित होनी चाहिए, ताकि अन्य जिलों में निजी स्कूलों की मनमानी रोकी जा सके और छात्रों व अभिभावकों को राहत मिले निजी स्कूलों के खिलाफ दर्ज सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों का 15 कार्य दिवस में निराकरण कर उचित कार्यवाही करें।त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजकर सांकेतिक रूप से सरकार को चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन करेगी।

उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशाप और मेले जिला स्तर पर लगाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इन्वेस्टर्स समिट के समान उद्यानिकी व खाद्य प्र-संस्करण पर भी आयोजन हों

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्यानिकी फसलों की जिलेवार मैपिंग की जाए। विश्वविद्यालय सहित अन्य शासकीय विभागों की खाली जमीनों पर उद्यान विकसित करने तथा प्रदेश में पीपीपी मोड पर नर्सरीयां विकसित करने के लिए कार्य योजना बनायी जाए। प्रदेश के सभी जिलों में उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशॉप और मेले आयोजित कर जिलों के किसानों और उद्यमियों को अन्य जिलों में संचालित बेस्ट प्रैक्टिसेज से परिचित कराया जाए। जिलों में कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार करने तथा अपने स्तर पर इस क्षेत्र में उपलब्धियां अर्जित करने वाले किसानों का सम्मान किया जाए। इन्वेस्टर्स समिट के समान प्रदेश में उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण पर समिट का आयोजन हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण विभाग की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश में कृषि विशेष रूप से उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

प्रदेश, भौगोलिक दृष्टि से सम्पन्न है, साथ ही सिंचाई और बिजली की भी पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश कि उद्यानिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकले। उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण के माध्यम से रोजगार के अवसर निर्मित करने की दिशा में भी अंन्तर्विभागीय समन्वय के साथ कार्य किया जाए। विभाग में विशेषज्ञों तथा तकनीकी दक्षता पर केंद्रित सेल स्थापित कर खाद्य प्र-संस्करण क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश के तीनों क्षेत्रों चंबल-मालवा और महाकौशल में उद्यानिकी की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्षेत्र विशेष की आवश्यकता के अनुसार कार्य योजना बनाई जाए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत और उपज का वाजिब मूल्य मिले, उन्हें यह भरोसा दिलाना आवश्यक है। किसानों की उपज के लिए उपयुक्त सुविधाजनक स्थलों पर स्टोरेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही आस-पास की मंडियों में उपज के मूल्य की सही जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था विकसित करें।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बागवानी विकसित करने को जन आंदोलन बनाना जरूरी है। सभी विधायक और पंचायत प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में आदर्श बागवानी या नर्सरी विकसित कर क्षेत्र के किसानों को अपने स्तर पर प्रेरित करें। श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए किसानों को पुरस्कृत करने की व्यवस्था भी हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र जैसी संस्थाओं से किसानों के संवाद को भी प्रोत्साहित करना आवश्यक है। बैठक में जानकारी दी गई कि आगामी माह में नीमच, मंदसौर में औषधीय कृषि के लिए उद्यानिकी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगा। प्रदेश में 22 लाख 72 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलें ली जा रही हैं। आगामी 5 वर्ष में 33 लाख 91 हजार हैक्टयर तक ले जाने का लक्ष्य है।

थाना बागसेवनिया पुलिस द्वारा मोबाईल चोरो का किया पर्दाफाश

भोपाल (आरएनएस)। शहर में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल अवधेश कुमार गोस्वामी के दिशा निर्देशों पर एवं पुलिस उपायुक्त डॉ संजय कुमार अग्रवाल, अति. पुलिस उपायुक्त एम.एस.मुजाल्दे एंव सहायक पुलिस आयुक्त डॉ रजनीश कश्यप द्वारा भोपाल जिले में लगातार हो रहे नकबजनी में टीम बनाकर आरोपियो की तलाश पतारसी कर प्रभावी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है । दौराने विवेचना घटना स्थल का निरीक्षण किया गया घटना स्थल के आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरो का बारीकी से निरीक्षण किया गया पृथक- पृथक पुलिस टीम बनाकर आरोपियान एवं माल मशरुका की तलाश कराई गई लगातार टीम द्वारा तलाश हेतु हर संभव प्रयास एवं तकनीकी साक्ष्य व मुखबिर की सूचना पर हबीबगंज नाका ब्रिज के पास से दो एक महिला व एक लडके को चोरी के मोबाईल बेचने की फिराक के समय अभिरक्षा में लिया गया जो पूछताछ दौरान थाना बागसेवनिया के 06 मोबाईल एवं थाना गोविन्दपुरा के 02 मोबाईल व अन्य थाना क्षेत्र के 08 मोबाईल मिले है जिनकी कुल कीमत 2,70,000/- का मशरूका जप्त की गई है व अन्य चोरी के मामलो मे पूछताछ की जा रही है। घटना 01.- फरियादी अंशुल कुमार गौर निवासी स्वास्थ्य अस्पताल के पास नारायण नगर थाना बागसेवनिया ने थाना आकर रिपोर्ट किया कि मैं दिनांक 31.03.2025 को सुबह करीबन 09.30 बजे मै अपने कमरे में अपने दोनो मोबाईल आई फोन 11 जिसका IMEI नंबर 350308224741994, 350308224589302 व वन प्लस नोर्ड जिसका IMEI नंबर 865276042363846 को चार्जिंग में लगाकर टेबल पर रखकर फ्रेश होने के लिए बाथरूम में गया था वापस आया तो देखा कि मेरे दोनो फोन टेबल पर नहीं थे मेरा मोबाइल किसी अजात व्यक्ति ने चोरी कर लिया था, मामले मे थाना बागसेवनिया में अपराध क्रमांक 217/25 धारा 303(2) बीएनएस कर विवेचना में लिया गया ।

निगरानी शुदा बदमाश नशे में कर रहे थे हंगामा, विरोध करने पर युवक को चाकू मारा

- फरार बदमाश पर दर्ज है 28 प्रकरण

भोपाल(ए)। ऐशबाग थाना इलाके में स्थित अफकार कॉलोनी में शराब पीकर हंगामा करने वाले निगरानी बदमाशों का विरोध करने पर आरोपियो ने युवक के साथ मारपीट करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। हाथ में चाकू लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना पुलिस के मुताबिक फरियादी अमन रजा (16) निवासी अफकार कॉलोनी ऐशबाग ने अपनी शिकायत में बताया की वह गोविंदपुरा स्थित एक बेकरी में काम करता है। उसकी कॉलोनी में रहने वाले आकिब बच्चा और फैजान आदतन और थाने के निगरानीशुदा बदमाश हैं। मंगलवार देर रात दोनों बदमाश शराब पीकर हंगामा करते हुए कॉलोनी में रहने वाले लोगों के साथ गाली-गलौज कर रहे थे। उनकी हरकतें देख अमन रजा ने उन्हें समझाइश देते हुए वहॉ से जाने को कहा। उसकी बात पर बदमाशों को गुस्सा आ गया और और उन्होनें अमन के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान ही बदमाश आकिब बच्चा ने अपने पास रखा चाकू निकालकर अमन पर वार कर दिया। चाकू का वार हाथ में लगने से अमन बुरी तरह घायल हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसे धमकाते हुए वहॉ से फरार हो गए। बाद में घायल को इलाज के लिये अस्साल पहुंचाया गया इसके बाद उसकी शिकायत पर बदमाशो के खिलाफ मामला कायमक कर उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया की फरार बदमाशो के खिलाफ दो दर्जन से अधिक गंभीर अपराधिक मामले दर्ज हैं।

नीति आयोग से आकांक्षी जिला कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को मिला 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में किया उल्लेखनीय सुधार

भोपाल (निप्र)। आकांक्षी जिला कार्यक्रम में खंडवा जिले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने खंडवा के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने बेहतर कार्यों के लिये खंडवा जिले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की उपलब्धि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम में इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों, मैदानी कार्यकर्ताओं की सराहना की है।

फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर कार्यक्षमता में की गई वृद्धि

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये योजनाबद्ध प्रयास किए गए। जिले में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई। इसके साथ ही फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि की गई।

महिला बैंककर्मी को डेढ़ साल तक बनाया हवस का शिकार, 3 लाख की रकम भी ऐंठी

शादी तय होने के बाद आरोपी ने किया इंकार

भोपाल(ए)। शहर की पिपलानी थाना पुलिस ने इलाके में रहने वाली एक महिला बैंककर्मी की शिकायत पर युवक के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया है। आरोप है की दोस्ती होने के बाद आरोपी ने उसे शादी करने का झांसा देकर करीब डेढ़ साल तक न सिर्फ उसका दैहिक शोषण किया बल्कि उससे करीब तीन लाख रुपए भी ऐंठ लिए। बाद में दोनों की शादी भी तय हो गई थी। लेकिन बाद में आरोपी ने शादी करने से इंकार

कर दिया। इसके बाद मामला थाने पहुंचा जहॉ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार व अड़ीबाजी समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी धरपकड़ के प्रयास शुरु कर दिये है। थाना पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 29 साल की युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह बैंक में नौकरी करती हैं। कुछ साल पहले उनकी मुलाकात अशोका गार्डन क्षेत्र में रहने वाले तरुण धाड़से नामक युवक से हुई थी।

तरुण प्राइवेट नौकरी करता था, लेकिन उससे पहचान के कुछ समय पहले से वह बेरोजगार चल रहा था, और नौकरी की तलाश में था। पीड़िता ने पुलिस को आगे बताया की एक दूसरे का व्यवहार पंसद आने पर जल्द ही उनकी जान पहचान दोस्ती में बदल गई और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे।

10 जल विद्युत गृहों ने उत्पादित की 2757 मिलियन यूनिट बिजली : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य से अधिक किया जल विद्युत उत्पादन

भोपाल (निप्र)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2694 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। जल विद्युत गृहों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 2757 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। जल विद्युत गृहों द्वारा वर्ष 2020-21 के बाद यह उपलब्धि हासिल की। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की जल विद्युत उत्पादन क्षमता 915 मेगावाट है मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के इस उपलब्धि में 90 मेगावाट स्थापित क्षमता के रानी अवंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बरगी, 160 मेगवाट स्थापित क्षमता के पेंच जल विद्युत गृह तोतलाडोह, 315 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-एक टोंस जल विद्युत गृह सिरमौर, 20 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-4 जल विद्युत गृह झिन्ना, 45 मेगावाट स्थापित क्षमता के राजघाट जल विद्युत गृह और 60 मेगावाट स्थापित क्षमता के मरहीखेड़ा जल विद्युत गृह ने प्रमुख योगदान दिया। इन सभी विद्युत गृहों ने अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्य से अधिक विद्युत उत्पादन किया। बाणसागर-2 जल विद्युत गृह सिलपारा व बाणसागर-3 जल विद्युत गृह देवलोंद ने भी नियामक आयोग के निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के रानी अवंती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए वर्ष 2013-14 के बाद पहली बार नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 508 मिलियन यूनिट की तुलना में 509 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया।

वन विहार में सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक 5 अप्रैल को

प्रकृति प्रेमियों और वाईल्ड लाइफ फोटोग्राफरों के लिये रोमांचक अवसर

भोपाल (निप्र)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिये छोटे जीवों की रहस्यमयी और विविधतापूर्ण दुनिया को देखने के लिये शनिवार 5 अप्रैलको सुबह 7 से 9 बजे तक सिल्कन सीक्रेट्स नामक एक विशेष वॉक का आयोजन किया जा रहा है।सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक का नेतृत्व प्रसिद्ध मैक्रो फोटोग्राफर आशिर कुमार करेंगे, जिन्हें 1 फ्रेममेन के नाम से जाना जाता है। वन्य-जीवों, पक्षियों, जानवरों, कीड़ों और विशेष रूप से मकड़ियों को बारीकी से कैद करने में 5 वर्षो से अधिक की विशेषज्ञता के साथ श्री आशिर के काम को कैनन इण्डिया, इण्डिया टाइम्स, हिन्दुस्तान टाइम्स जैसे प्लेटफार्म द्वारा प्रदर्शित किया गया है। उनकी पुरस्कृत तस्वीरों को सम्पूर्ण भारत की प्रतिष्ठित दीर्घाओं में प्रदर्शित किया गया है।सिल्कन सीक्रेट्स प्रतिभागियों को अक्सर कीटों और मकड़ियों कीअनदेखी दुनिया में ले जायेगा, जहाँ उनके छिपे हुए जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी आवश्यक भूमिकाओं को दिखाया जायेगा। प्रसिद्ध फोटोग्राफर श्री आशिर के मार्गदर्शन में वाईल्ड लाईफ फोटोग्राफरों को अपने मैक्रो फोटोग्राफी कौशल को निखारने और प्रकृति के छोटे-छोटे अजूबों को करीब से देखने का मौका मिलेगा। भोज वेटलैण्ड, जो 445.21 हेक्टेयर में फैला हुआ है, इसके पास स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान इस अन्वेषण के लिये एकदम सही अवसर प्रदान करता है। समृद्ध जैव विविधता, शांत परिवेश के साथ वन विहार एक की सैर के लिये एक आदर्श स्थान है।संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान ने बताया कि सिल्कन सीक्रेट्स स्पाइडर वॉक में भाग लेने वाले प्रतिभागी को आरामदायक जूते, पानी की बॉटल, सिर पर टोपी, मच्छर भगाने वाली क्रीम, फोटोग्राफी के लिये कैमरा या मोबाइल फोन अवश्य साथ लायें। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी के शौकीन प्रकृति प्रेमी और प्राकृतिक दुनिया की जटिल सुंदरता के बारे में जानने के लिये उत्सुक हों, तो इस प्रतियोगिता में जरूर भाग लें।

जेबकटो ने सिटी बस में युवक को बनाया शिकार, 25 हजार की रकम और कागजात उड़ाये

भोपाल (ए)। अल्पना टॉकिज तिराहे से सिटी बस में मिसरोद जाते समय एक युवक को जेबकटो ने अपना शिकायत बनाते हुए उसकी जेब में रखी हजारो की नगदी सहित जरुरी दस्तावेज उड़ा दिये। फिरयादी युवक विदिशा से ऑफिस के काम से दस्तावेज और 25 हजार की नकदी लेकर आया था। जानाकारी के मुताबिक कपिल जादौन (42) ने बताया की वह विदिशा का रहने वाले है, और एक कार शोरूम पर नौकरी करते है। बुधवार को वो ऑफिस के काम के सिलसिले में विदिशा से भोपाल आए थे। दोपहर के समय वह विदिशा से ट्रेन से भोपाल पहुंचे और अल्पना टॉकिज से मिसरोद जाने के लिए सिटी बस में सवार हो गए। बस में बैठने के बाद थोड़ी दूर जाने के बाद उन्हें अहसास हुआ की उनकी जेब में रखा सामान गायब है। चेक करने पर पता चला की जेब में रखी करीब 25 हजार की नकदी और कागजात चोरी हो चुके थे। इसके बाद वह मंगलवारा थाने पहुंचे और शिकायती आवेदन दिया। थाना पुलिस ने जॉच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। अज्ञात आरोपी का सुराग जुटाने के लिये पुलिस बस में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है।

गर्मी के बीच 10 जिलों में झमाझम बरसे बादल, इन जिलों के लिए अलर्ट जारी, जानें मौसम का हाल

इंदौर (आरएनएस)। इंदौर को डिजिटल भारत मे प्रथम बनाना हमारा लक्ष्य है इसके लिये एक नवचार के जरूरत है ।

हमारे भारत मे हर वर्ष हिन्दू फेस्टिवल आते जिसमे हम हमारे हिंदू देवी देवताओं का पूजन करते है । यही हमारी संस्कृति का परिचय है ।। मैं आपको एक बात कहना चाहता है कि अभी इंदौर में कुछ मंथ पहले माँ अहिल्याबाई माता के नाम से कुश्ती दंगल हुआ था उसके प्रचार प्रसार मे आयोजन के प्रचार में जो भी बैनर पोस्टर मैं माँ अहिल्याबाई का भी फ़ेटो लगा था आज प्रोग्राम के बाद अहिल्याबाई के फेटो लगे बैनर आज कचरे की जगह ले चुकी है ।

इंदौर मैं अभी आगे रामनवमी ओर हनुमानजी जयंती पर होने वाले बड़े आयोजन भव्य प्रभात फेरी के आयोजन के प्रचार प्रसार मे हनुमानजी के बड़े बड़े फोटो बैनर फ्लेक्स आज राजवाड़ा पर मरीमाता चौराहे पर लगे है । हनुमान जयंती होने के बाद वही फ़्लेक्स बैनर जिसमे हनुमानजी की फ़ेटो वह कचरे मे तब्दील हो जायेगा । भारत को डिजिटल भारत की दिशा में कदम बढ़ते हुए इंदौर में भगवान के फेटो सलग्न फ़्लेक्स बैनर पर पूर्णत: पाबंदी लगनी चाहिए । डिजिटल भारत बहुत से संस्थान है जिसे हमे प्रचार प्रसार कर सकते है ।

पानी टंकी में दो शव मिलने से फैली सनसनी: दोनों मृतक ऑयल मिल के थे कर्मचारी, हत्या या हादसा जांच जारी

बैतूल (आरएनएस)। जिला मुख्यालय पर स्थित बैतूल ऑयल मिल के दो कर्मचारियों के शव पानी के टंकी में मिलने से सनसनी फैल गई। देर रात घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन सहित कर्मचारियों के परिजन ऑयल मिल पहुंचे। कर्मचारियों के शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। दोनों ही कर्मचारियों की मौत कैसे हुई यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। फ्लिहाल पुलिस कर्मचारियों के शव का पीएम करवा रही है और जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि आखिरकार दोनों कर्मचारियों की मौत कैसे हुई है?

बता दें कि बैतूल ऑयल मिल में सोयाबीन रिफाइंड कर खाद्य तेल बनाने और पैकेजिंग का कार्य किया जाता है। बैतूल ऑयल मिल के मैनेजर (एचआर) अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि बीती देर शाम मशीनों को ऑपरेट करने वाले दयाराम नरवरे और कैलाश पानकर के मिल में दिखाई नहीं देने पर उनकी तलाश की गई, दोनों के शव पानी टंकी में मिले थे।

घटना की जानकारी पुलिस और मृतक कर्मचारियों के परिजन को दी गई। शालिनी परस्ते, एसडीओपी बैतूल के मुताबिक घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एसडीआरएफकी टीम के साथ पहुंचे थे। घटनास्थल पर टंकी से दोनों कर्मचारियों के शव को निकाला गया और पीएम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा कि दोनों की मौत किस वजह से हुई है।

बुंदेलखंड में 13 सौ साल पुरानी अष्टभुजा प्रतिमा: मां कलेही धाम पवई, दर्शनों से मिलता मां का आशीर्वाद

छतरपुर (आरएनएस)। बुंदेलखंड में पन्ना जिले के पवई में स्थित माता कलेही का मंदिर इन दिनों भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। पद्मावती शक्तिपीठ के बाद यह क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा शक्ति स्थल है। मंदिर पवई नगर से दो किलोमीटर दूर पतने नदी के तट पर स्थित है। यहां नव देवियों में सप्तम देवी कालरात्रि की प्रतिमा विराजमान है। माता की अष्टभुजा प्रतिमा में शंख, चक्र, गदा, तलवार और त्रिशूल सुशोभित हैं।

प्रतिमा 13 सौ सला पुरानी

प्रतिमा के दाएं भाग में हनुमान जी और बाएं भाग में बटुक भैरव विराजमान हैं। यह चंदेल कालीन प्रतिमा साढ़े तेरह सौ वर्ष पुरानी है, जिसकी स्थापना विक्रम संवत् 700 में की गई थी। कलेही धाम में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। बुंदेलखंड, बघेलखंड, मालवा और निमाड़ सहित देश के विभिन्न हिस्सों से भक्त यहां दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि मां कलेही की सच्चे मन से की गई आराधना कभी निष्फल नहीं जाती।

नवरात्रि में बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचते हैं लोग

भक्त अपनी मन्नतें लेकर श्रीफल को लाल चुनरी में लपेटकर मंदिर परिक्रमा में बांधते हैं। मन्नत पूरी होने पर श्रीफल को छोड़ देते हैं। नवरात्रि में यहां कन्या भोज का विशेष महत्व है। प्रतिदिन भोर में भक्त नंगे पैर जल, फूल, फल और प्रसाद लेकर मंदिर पहुंचते हैं। नवरात्रि के दौरान विशेष महाआरती होती ।

गुना में स्पा सेंटर पर पुलिस की छापामार कार्रवाई, अनैतिक देह व्यापार का मामला दर्ज

गुना (आरएनएस)। पुलिस ने शहर की अनुराधा गली में संचालित एक स्पा सेंटर पर छापा मारकर अनैतिक देह व्यापार के मामले का खुलासा किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि इस स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का अवैध धंधा संचालित किया जा रहा है। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए गुना पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंहा के निर्देश पर कार्रवाई की गई। सीएसपी गुना भरत नोटिया के नेतृत्व में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सिंह भदौरिया और उनकी विशेष टीम का गठन किया गया। सबसे पहले स्पा सेंटर की गतिविधियों की पुष्टि करने के लिए एक आरक्षक को सादा कपड़ों में ग्राहक बनाकर भेजा गया।

चलो पढ़े आगे बढ़े 'स्कूल चलें हम' अभियान-2025: स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिवस भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम हुआ संपन्न

गुना (आरएनएस)। राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिवस स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिवस भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम सी एम राइस स्कूल गुना में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने छात्र छात्राओं को संबोधित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों से कहा कि हमारा प्रदर्शन सबसे श्रेष्ठ से श्रेष्ठ हो हमको क्या करना हे और कैसे करना हे। उन्होंने कहा कि हमारा विद्यालय में उपस्थिति 100 प्रतिशत रहेगी तो निश्चित मानिए कि सफ्लता आपके कदम चूमेगी। इस अवसर पर गुना पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिंहा, विकास जैन नखराली सहित जिला शिक्षा अधिकारी सी.एस. सिसोदिया, डीपीसी ऋषि कुमार शर्मा, विद्यालय प्राचार्य आशीष टांटिया, उप संचालक कृषि अशोक उपाध्याय मंचासीन रहे। कार्यक्रम को विकास जैन एवं शिक्षा अधिकारी सिसोदिया ने संबोधित कर भविष्य से भेंट कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की ओर छात्र छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए सफ्लता के मंत्र दिए। कार्यक्रम का संचालन गिरजेश स्वामी ने किया आभार रेणुका श्रीवास्तव ने माना।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने प्रवेश द्वार गिरने से घायल श्रमिकों का बेहतर से बेहतर इलाज करने के दिए निर्देश

जेएएच के ट्रामा सेंटर पहुँचकर श्रमिकों के इलाज की जानकारी ली

ग्वालियर (आरएनएस)। डबरा में अर्रु तिराहे पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार गिरने से घायल हुए श्रमिकों को जिला प्रशासन द्वारा बेहतर इलाज के लिये जेएएच के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने ट्रामा सेंटर पहुँचकर श्रमिकों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों एवं जेएएच प्रबंधन को श्रमिकों का बेहतर से बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने डबरा एसडीएम दिव्यांशु चौधरी को भी निर्देश दिए हैं कि अर्रु तिराहे पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार के गिर जाने की घटना की बारीकी से जाँच कराएँ। साथ ही जिम्मेदारी निर्धारित कर दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। ज्ञात हो डबरा में अर्रु तिराहे पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार गुरुवार को गिर गया था। इस घटना में वहाँ काम कर रहे चार श्रमिक घायल हुए हैं। इनमें से दो श्रमिकों को गंभीर अवस्था में जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। साथ ही दो अन्य घायल श्रमिकों का इलाज भी जेएएच में चल रहा है।

इस घटना में लगभग 37 वर्षीय श्रमिक कमलेश व लगभग 50 वर्षीय भारत को गंभीर चोटें पहुँची हैं। पवन कोरी व राकेश कुमार को हलकी चोटें आई हैं।

जल संरक्षण के प्रति जागरुकता के लिए हुआ जल संवाद

श्रमदान कर नागरिकों ने किया तालाब का गहरीकरण

इन्दौर (आरएनएस)। इंदौर जिले में राज्य शासन द्वारा दिये गए दिशा-निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन प्रभावी रूप से किया जा रहा है। अभियान के तहत तालाबों, कुँओं, बावड़ी आदि के गहरीकरण, जीर्णोद्धार आदि के कार्य किये जा रहे हैं। ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित भी किया जा रहा है। इसी के तहत गत रात्रि जिले के इंदौर विकासखंड के ग्राम जलोदकेऊ में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गांव में ग्रामीणों ने श्रमदान कर तालाब का गहरीकरण भी किया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा तहसील स्तरीय चयनित आदर्श ग्राम सेक्टर बुराना खेड़ी के विकास प्रस्फुटन समिति ग्राम जलोदकेऊ द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत समिति सदस्यों एवं ग्रामीणों के साथ जल संवाद किया गया। जिसमें जल स्रोतों का पूजन एवं रख-रखाव हेतु श्रमदान कर पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने हेतु चर्चा की गई। जल संरक्षण हेतु दीवार पर लेखन के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। जल के अपव्यय को रोकने हेतु समाज को प्रेरित किया गया। इसी कड़ी में आज प्रात: ग्राम जलोदकेऊ में स्थित छोटे तालाब में श्रमदान कर गहरीकरण किया गया तथा जल को सहेजने एवं उसके संरक्षण हेतु शपथ दिलवाई भी गई। जल संवाद एवं श्रमदान में मुख्य रूप से जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाड़े, विकासखंड समन्वयक प्रवेश शर्मा, समिति के अध्यक्ष राजेश तंवर, सचिव हरिराम गौड़, घनश्याम चंदेल, सुनेर सिंह तंवर, मोती सिंह तंवर, घनश्याम डाबी एवं अन्य समिति सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

व्यापार समाचार

अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ : एशियाई बाजार गिरे धड़ाम, जापान को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ (पारस्परिक टैरिफ) लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को एशियाई बाजारों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन पर 34 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 26 प्रतिशत और जापानी वस्तुओं पर 24 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। जापान के निक्की 225 में करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई और व्यापक टॉपिक्स सूचकांक में 3.32 प्रतिशत की गिरावट आई।हांगकांग में, हैंग सेंग सूचकांक में 2.43 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि मुख्य भूमि चीन के शंघाई कंपोजिट सूचकांक में 0.91 प्रतिशत की गिरावट आई।चीन पर नई पारस्परिक दर मौजूदा टैरिफ में जोड़ी जाएगी, जो कुल 20 प्रतिशत होगी, जिसका अर्थ है कि चीनी वस्तुओं पर वास्तविक टैरिफ दर 54 प्रतिशत है।दक्षिण कोरिया में, कोस्पी सूचकांक में 1.29 प्रतिशत की गिरावट आई, जो 3 प्रतिशत से अधिक के नुकसान को कम करती है। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 शुरुआती कारोबार में 1.17 प्रतिशत नीचे था। सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं और 3,153.92 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थीं।

भारतीय शेयर बाजार अभी खुलने बाकी थे।अमेरिका में, एसएंडपी 500 0.67 प्रतिशत बढ़कर 5,670.97 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.87 प्रतिशत बढ़कर 17,601.05 पर बंद हुआ।30 शेयरों वाला डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 235.36 अंक बढ़कर 42,225.32 पर बंद हुआ। एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला के शेयरों में 5.3 प्रतिशत की तेजी आई।

इससे पहले, ट्रंप ने सभी आयातों पर 10 प्रतिशत की बेसलाइन दर और दर्जनों देशों के लिए उच्च व्यक्तिगत दरों की घोषणा की थी। ये शुल्क अमेरिका द्वारा व्यापारिक साझेदार देशों द्वारा अमेरिका से आने वाले सामानों पर लगाए जाने वाले शुल्कों का आधा है, जो टैरिफ और गैर-मौद्रिक बाधाओं का संयुक्त योग है। ट्रंप ने कहा कि दरें कम इसलिए हैं क्योंकि अमेरिकी दयालु हैं।भारतीय शुल्क मामले में (जैसा इस मामले में अमेरिका द्वारा गणना की गई है) अमेरिका एक सूत्र का पालन करता है जिसमें मौद्रिक और गैर-मौद्रिक शुल्क और बाधाएं दोनों शामिल हैं।

ट्रंप के टैरिफ से और महंगा होगा सोना

नई दिल्ली (ए)। अमेरिकी टैरिफ की वजह से जहां दुनियाभर के शेयर बाजार और कंपनियों में मायूसी है। वहीं सर्राफा बाजार में रौनक है, क्योंकि ग्लोबल ट्रेड वॉर गहराने की आशंका से सुरक्षित निवेश के नजरिये से सोने की कीमतें उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार टैरिफ की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में बढ़त दर्ज की गई। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू सकता है। दरअसल, बैंक ऑफ अमेरिका ने गोल्ड पर अपना टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। वहीं कई विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें आने वाले कुछ महीनों में 3500 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है। अगर वैश्विक विशेषज्ञों की मानें तो भारतीय बाजार में सोने का भाव 99000 से 99500 के स्तर तक जा सकता है।

उत्तर रेलवे की रेल परिचालन और यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान रेल परिचालन और यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इस वर्ष नई रेल सेवाऐं शुरू की गई, मौजूदा सेवाओं की यात्री वहन क्षमता में वृद्धि की गई,जो यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी और सुविधा में सुधार पर उत्तर रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान उत्तर रेलवे के नेटवर्क में कुल सात नई ट्रेनें, (दो वंदे भारत और पांच एक्सप्रेस ट्रेनें) शामिल की गईं। अधिक गंतव्यों को कवर करने के लिए छह ट्रेनों (चार एक्सप्रेस और दो पैसेंजर ट्रेनें) को यात्रा विस्तार भी दिया गया। तीन रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि की गई। जिससे यात्रियों को अधिक यात्रा विकल्प मिलने से लाभ हुआ। वंदे भारत ट्रेनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, वंदे भारत ट्रेनों के चार सेटों की यात्री क्षमता 16 डिब्बों से बढ़ाकर 20 डिब्बों तक कर दी गई, जबकि एक सेट की क्षमता 8 डिब्बों से बढ़ाकर 16 डिब्बों तक कर दी गई। विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन में तेजी से वृद्धि हुई । उत्तर रेलवे परिक्षेत्र पर कुल 13,658 विशेष ट्रेनें चलाई गईं, जो पिछले वर्ष की 4,487 रेलगाड़ियों की तुलना में काफी अधिक है। इनमें ग्रीष्म एवं शीतकालीन अवकाश, होली, दिवाली व छठ-पूजा इत्यादि पर्वों के दौरान चलाई गई रेलगाड़ियां शामिल हैं। विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि से यात्रियों के आवागमन में सुधार हुआ, जिसमें शरदकालीन अवकाश विशेष रेलगाड़ियों की सेवाओं में 50.18त्न और होली स्पेशल रेलगाड़ियों की सेवाओं में 46.29त्न की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

अमेरिकी टैरिफ का भारत को भी होगा नुकसान , जानिए कौन-कौन से सेक्टर होंगे सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली (ए.) भारतीय समय के अनुसार आज सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 26 फीसदी टैरिफ का ऐलान कर दिया है। भारत समेत दुनिया के कई बड़े देशों में ये अमेरिकी टैरिफ लगने जा रहा है। इससे भारत के कई सेक्टर में नुकसान हो सकता है। इनमें टेक्सटाइल, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक इत्यादि सेक्टर को शामिल किया गया है। ट्रंप ने ये रेसिप्रोकल टैरिफ उन देशों पर लगाया है, जो अमेरिका के मुताबिक उनसे अच्छा खासा टैरिफ वसूल रहे थे। जो भी देश अमेरिका से आई वस्तुओं पर टैरिफ वसूल रहा था। अब अमेरिका भी उन देशों से उतना ही टैरिफ लेगा।बैंकिंग और इंटरनेशनल स्टॉक के विशेषज्ञ अजय बग्गा ने टैरिफ पर कई महत्वपूर्ण बातें कही है। उन्होंने कहा कि ये अमेरिकी टैरिफ कई गणनाओं पर आधारित है। इनमें कस्टम ड्यूटी, करेंसी में बदलाव और जीएसटी को भी शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ये टैरिफ लागू कर अमेरिका पहले और अकेले होने वाली मानसिकता की ओर बढ़ रहा है।इसके अलावा उन्होंने ये भी बताया कि ट्रंप के टैरिफ से किन सेक्टर पर प्रभाव पड़ सकता है। अजय बग्गा के मुताबिक भारत के घरेलू बाजार पर इसका प्रभाव देखने को नहीं मिलेगा। हालांकि भारत के कई बड़े सेक्टर जैसे टेक्सटाइल, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक इत्यादि पर इस टैरिफ का असर देखने को मिल सकता है।

चीन और वियतनाम की तुलना में कम टैरिफ होने से भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को होगा फायदा : एक्सपर्ट्स

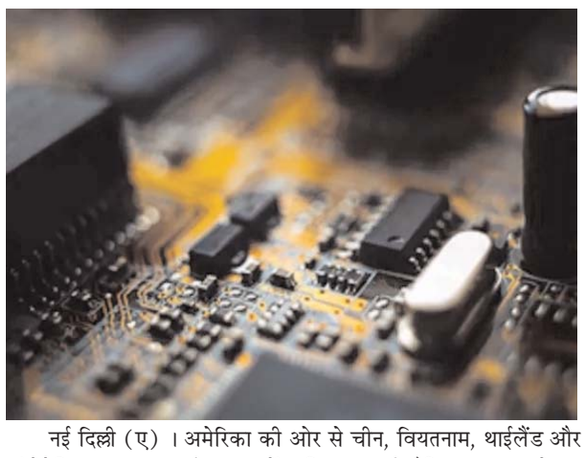

नई दिल्ली (ए) । अमेरिका की ओर से चीन, वियतनाम, थाईलैंड और इंडोनेशिया पर भारत की तुलना में अधिक जवाबी टैरिफ लगाए जाने का फायदा देश के इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को मिल सकता है। इन देशों को इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भारत का बड़ा प्रतिस्पर्धी माना जाता है। यह जानकारी इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने गुरुवार को दी। जानकारों ने कहा कि भारत पर कम अमेरिकी टैरिफ की वजह लीडर्स और वार्ताकारों का असाधारण और अथक प्रयास है।इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, अमेरिका के साथ भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार लंबी अवधि की साझेदारी और द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के सफल समापन पर निर्भर करेगी। बीटीए को अब हमारी व्यापार रणनीति का आधार बनना चाहिए, जिससे स्थिर बाजार पहुंच, टैरिफ पूर्वानुमान और उच्च मूल्य वाले इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को बढ़ाने के लिए एक रूपरेखा मिल सके। इंडस्ट्री लीडर्स ने कहा कि बदलते भू-राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य के साथ, भारत को जोखिमों को कम करने और वैश्विक व्यापार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखने के लिए व्यापार कूटनीति, घरेलू नीतिगत बदलावों और मजबूती होती इंडस्ट्री का लाभ उठाते हुए तेजी से रणनीति बनानी होगी।इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अध्यक्ष अशोक चांडक ने कहा, द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने से दबाव कम हो सकता है, जबकि चुनिंदा अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क समायोजित करने से भी चिंताएं दूर हो सकती हैं। भारत अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए बातचीत और जवाबी उपायों में संतुलन बनाते हुए ड्यूल-ट्रैक अप्रोच अपना सकता है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि भारत और अमेरिका दोनों अपने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना चाहते हैं।

शेयर बाजार की गिरावट में नई लिस्टेड कंपनियों का निकला दम, 50 प्रतिशत अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार में पिछले साल सितंबर से शुरुआत हुई गिरावट में नई लिस्टेड आधी से अधिक कंपनियों के शेयर प्राइस अपने इश्यू प्राइस से नीचे फिसल गए हैं। पिछले वित्त वर्ष में करीब 78 कंपनियों के आईपीओ आए थे, जिन्होंने संयुक्त रूप से 1.6 लाख करोड़ रुपये का फंड जुटाया था। इनमें से करीब 34 कंपनियों के शेयर अपने इश्यू प्राइस से नीचे आ चुके हैं। वहीं, 10 शेयर जो कि डिस्काउंट पर लिस्ट हुए थे, अभी भी इश्यू प्राइस के नीचे कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा, बाकी के 24 शेयर जो उच्चतम स्तर पर खुले थे, अपनी बढ़त खो चुके हैं।गोदावरी बायोरिफाइनरीज, कैरारो इंडिया और वेस्टर्न कैरियर्स इंडिया के शेयर अपने इश्यू प्राइस से 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं।सरस्वती साड़ी डिपो, टॉलिन्स टायर्स, श्री तिरुपति बालाजी एग्रो ट्रेडिंग, एक्मे फिनट्रेड, इकोस इंडिया मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी, सुरक्षा डायग्नोस्टिक और बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर अपने इश्यू प्राइस से 40 से 50 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहे हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

भारत को घुसपैठ से राहत मिलेगी

आप्रवास और विदेशियों विषयक विधायक 2025 अंतत: लोक सभा से पारित हो गया। इधर के दिनों में विशेषकर भारत में बांग्लादेश में रोहिंग्या की भारी घुसपैठ के कारण इस विधायक की जरूरत ज्यादा ही महसूस की जा रही थी। कुछ एजेंटों तथा सक्रिय निहित स्वार्थ के कारण इन दोनों समुदायों के लोग भारत में आकर न केवल भारतीय पहचान पत्र बनवाने में सफल हो जाते हैं बल्कि अपने लिए अस्थाई और अस्थाई अजीविका भी तलाश लेते हैं। अगर मामला यहीं तक सीमित होता तब भी गनीमत थी, लेकिन इन समुदायों के लोग सामान्य से लेकर गंभीर अपराधों तक और यहां तक की भारत-विरोधी गतिविधियों में भी लिप्त पाए गए हैं। भारत सरकार तथा भारतीय हितों के पोषक लोग लंबे समय से इनके खतरे के प्रति आगाह भी करते रहे हैं और इसे नियंत्रित करने के प्रयासों पर चर्चा करते रहे हैं। इन्हीं सब की परिणति है यह नया विधेयक। इस विधेयक पर चर्चा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह की इस बात से असहमत नहीं हुआ जा सकता कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि कोई भी यहां चला आए, बस जाए और बिना किसी रोक-टोक के जो मन आए करता रहे। वास्तविक समस्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की नहीं बल्कि उनकी है जो उनके आगमन को संभव बनाते हैं। उनके रहने और रोजगार की व्यवस्था करते हैं और फिर उन्हें भारत विरोधी गतिविधियों का हिस्सा बनते हैं।अब देखना है कि इस नाम इस कानून के लागू होने के बाद किस तरह से घुसपैठियों पर रोक लगेगी और किस तरह से उनके विरु द्ध कार्रवाई होगी जो भारत में घुसपैठ को सुगम बनाते हैं। याद रखना चाहिए कि इन घुसपैठियों की मदद करने वाले तथा इन्हें भारत में बसने के दस्तावेज उपलब्ध कराने वालों का एक वृहद तंत्र है जो समूचे भारत में फैला हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री ने इस घुसपैठ को रोकने में सहयोग करने का आरोप पश्चिम बंगाल की सरकार पर भी लगाया है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के पास जो आधार कार्ड मिलते हैं वह पश्चिम बंगाल में 24 परगना जिले के होते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि यह नया कानून और गृह मंत्री के प्रयास सही परिणति तक पहुंचेंगे, भारत को घुसपैठ से राहत मिलेगी और धर्मशाला खाली होगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ योग आयोग के सम्मान समारोह को संबोधित किया.

वक्फ विधेयक को समझना: मिथब नाम उजागर किये गए तथ्य

-वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ भ्रामक जानकारी फैलाने के अभियान का पर्दाफाश

हर्षरंजन

कुछ राजनीतिक संस्थाओं और मुस्लिम समुदाय के भीतर निहित स्वार्थी समूहों द्वारा जानबूझकर अशांति का वातावरण बनाने के लिए भ्रामक जानकारी फैलाने के कारण, वक्फ संशोधन विधेयक 2024 विवाद का विषय बन गया है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और वक्फ संपत्तियों के शासन को सुव्य वस्थित करने के उद्देश्य से बनाए गए इस विधेयक को इन समूहों द्वारा इतना अधिक विकृत किया गया है कि इसकी मूल पहचान ही बदल गयी है। ये निहित स्वार्थ से भरे समूह समुदाय के कल्याण की तुलना में अपने स्वयं के विशेषाधिकारों की रक्षा करने को लेकर अधिक चिंतित हैं।

संशोधन के पीछे का सच

इस विधेयक का विरोध मुख्य रूप से उन लोगों द्वारा किया जा रहा है, जो लंबे समय से वक्फ संस्थानों में पारदर्शिता की कमी से लाभान्वित हुए हैं। ऐतिहासिक रूप से, कुछ समूहों ने वक्फ संपत्तियों पर महत्वपूर्ण नियंत्रण बनाए रखा है और उनकी पहचान सर्वविदित है। उनका विरोध धार्मिक अधिकारों से जुड़ी वास्तविक चिंताओं से नहीं, बल्कि वर्षों से कुप्रबंधित अकूत संपत्तियों और वित्तीय संसाधनों पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की इच्छा से प्रेरित है। यदि उनके इरादे वास्तव में समुदाय के कल्याण से जुड़े थे, तो क्या वे बता सकते हैं कि वक्फ संपत्तियों से होने वाली आय में साल दर साल लगातार गिरावट क्यों आ रही है

इसमें से सबसे बड़ी विकृतियों में से एक का दावा है कि यह विधेयक सरकार को वैध वक्फ संपत्तियों को जब्त करने में सक्षम बनाता है। वास्तव में, संशोधन केवल जिला कलेक्टर को गलत तरीके से वर्गीकृत संपत्तियों की समीक्षा करने का अधिकार देता है, खास कर ऐसे मामलों में जहां सरकारी या निजीभूमि को गलत तरीके से वक्फ की संपत्ति का

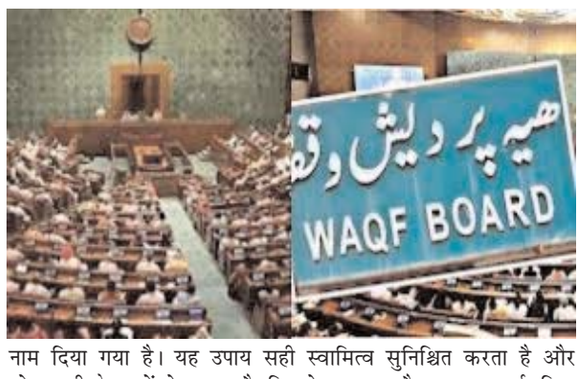

नाम दिया गया है। यह उपाय सही स्वामित्व सुनिश्चित करता है और धोखाधड़ी के दावों से बचाता है, जिससे समुदाय और व्यापक सार्वजनिक हित दोनों को लाभ होगा।एक और व्यापक रूप से फैलाया गया मिथक यह है कि विधेयक वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण को समाप्त कर देता है। इसके विपरीत, यह जिला कलेक्टर को जिम्मेदारी सौंपकर प्रक्रिया को मजबूत करता है, जो स्थापित राजस्व प्रक्रियाओं का उपयोग करके सर्वेक्षण पूरा करेंगे, जिससे निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा अशुद्धियों और संभावित हेरफेर को समाप्त किया जा सकेगा।

विरोधियों के पाखंड को उजागर करना

इस विधेयक के सबसे मुखर आलोचक वे हैं, जो लंबे समय से वक्फ संपत्तियों के प्रमुख लाभार्थी रहे हैं। उनका विरोध इन संपत्तियों पर बने अपने वित्तीय साम्राज्यों की रक्षा करने से जुड़ा एक सुनियोजित कदम है। इन संगठनों ने ऐतिहासिक रूप से वक्फ संसाधनों पर एकाधिकार बनाए रखा है तथा वे समुदाय के वंचित वर्गों के लिए निर्धारित धनराशि का अपने स्वयं के एजेंडों के लिए उपयोग करते रहे हैं।पाखंड बहुत बड़ा है! वे मुस्लिम समुदाय के हितों की वकालत करने का दावा करते हैं, जबकि उन्होंने दशकों से व्यक्तिगत लाभ के लिए वक्फबोर्डों में हेर फेर कियाहै। भारत में कई वक्फ बोर्ड इन समूहों से जुड़े व्यक्तियों द्वारा संचालित हैं, जोरा जनीतिक और वित्तीय लाभ के लिए इन निधियों का गलत इस्तेमाल करते रहे हैं। इस अनियंत्रित गलत इस्तेमाल को संशोधन समाप्त करना चाहता है, जिससे वे सुधार के सबसे मुखर विरोधी बन गये हैं।

वक्फ को सच्चे लाभार्थियों के लिए मजबूत करना

चुनिंदा समूहों के एकाधिकार को तोड़ने के अलावा, यह विधेयक सुन्नी, शिया, बोहरा, आगाखानी और पिछड़े मुस्लिम समुदायों सहित विभिन्न मुस्लिम संप्रदायों के प्रतिनिधित्व को अनिवार्य करके समावेशी भावना को बढ़ाता है, जिससे वक्फ संपत्तियों का निष्पक्ष और लोकतांत्रिक शासन सुनिश्चित होगा। इसके अलावा, वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम विशेषज्ञों को शामिल करने से मुस्लिम नियंत्रण को खतरा नहीं है, बल्कि इससे जवाब देही बढ़ती है और कुप्रबंधन को रोकने में बाहरी निगरानी की सुविधा प्राप्त होती है।इस विधेयक में वित्तीय ऑडिट और पारदर्शी लेखा पद्धतियों को भी शामिल किया गया है, ताकि वक्फ कोष का दुरुपयोग रोका जा सके। समय-समय पर रिपोर्टिंग की आवश्यकताएँ और वक्फ न्यायाधिकरण के निर्णयों के विरुद्ध उच्च न्यायालयों में अपील करने की सुविधा कानूनी निगरानी को और मजबूत करेगी, जिससे वक्फ संपत्तियों द्वारा अपने इच्छित उद्देश्य पूरा करना, जरूरतमंदों को लाभ पहुँचाना और भारत की समृद्ध समन्वयकारी विरासत को संरक्षित करना सुनिश्चित होगा।

सुधार की आवश्यकता

उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ प्रावधान को हटाने की सरकार की पेशकश वक्फ संपत्ति के दावों में अस्पष्टता को समाप्त करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रावधान का दुरुपयोग बिना औपचारिक वक्फ समर्पण के भूमि पर अवैध रूप से दावा करने के लिए किया गया है, जिससे अंतहीन कानूनी विवाद और भूमि अतिक्रमण हुए हैं। पंजीकरण प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, संशोधन निजी और सार्वजनिक दोनों प्रकार की भूमि को गलत दावों से बचाता है, यह सुनिश्चित करता है कि केवल कानूनी रूप से घोषित वक्फ संपत्तियों को ही मान्यता मिले।

आपदा-विपदा में परस्पर सहयोग हो

हरिशंकर व्यास

म्यांमार में भयावह भूकंप आया! शायद ही कभी मालूम पड़े कि हजारों मरे या लाखों! लाखों का जुमला इसलिए है कि 7.7 तीव्रता के झटकों की मौतों, घायलों और बरबादी का म्यांमार में हिसाब रखने वाला है कौन यह वह देश है, जहां दशकों से भेड़ियों का सैनिक शासन है। लोग बेचारे बौद्ध हैं और वे आजादी के बाद से ज्यादातर समय तानाशाही में जी रहे हैं। इनमें वह कोई जिंदादिली, गुर्दा नहीं है जो बतौर मनुष्य अपने आप पर सोच सकें कि वे कैसे जी रहे हैं। कथित ताकतपूर्ण सैनिक शासन के बावजूद म्यांमार के कई इलाकों में अलग-अलग नस्ली, बागी संगठनों के शासन बाड़े हैं। इसी के चलते थाईलैंड की सीमा से लगे इलाके में चीनी माफियाओं, अपराधी गिरोहों के ऐसे सेंटर हैं, जहां इंडोनेशिया, फिलीपीन, भारत आदि के बेरोजगार लड़के-लड़कियां नौकरी के झांसे में फंसे बंधुआ हैं। उनसे फोन करवा फ्रॉड होता है। फिर रोहिंग्या मुसलमानों के इलाके हैं, जहां से लाखों लोगों को सेना ने म्यांमार से भगाया है। वे बांग्लादेश के शरणार्थी कैंपों से लेकर भारत में मुंबई, दिल्ली तक फैले हुए हैं।

बहरहाल, भूकंप की खबर आई तो म्यांमार की मदद के लिए कोई नहीं दौड़ा। कहीं चिंता नहीं हुई। खबर में बैंकॉक के विजुअल ज्यादा दिखे। इसलिए क्योंकि पहली बात म्यांमार के सैनिक तानाशाहों ने दुनिया से नाता नहीं रखा है। उनकी पटरी चीन, रूस जैसे तानाशाह देशों से ही पटती है। फिर देश में मीडिया के नाम पर जो है वह सरकारी है। म्यांमार विश्व बिरादरी में अछूत है। इसलिए भूकंप की खबर के बाद वैश्विक प्रतिक्रिया में यह भाव था आया होगा भूकंप, हमें क्या लेना!

ध्यान रहे चीन, रूस और भारत के मदद के लिए आगे आने जैसी बातों का अर्थ नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैनिक शासन के प्रमुख से बात कर म्यांमार की मदद में 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के जुमले में राहत सामग्री भेजने की जो हेडलाइन बनाई है उसका वैसा ही अर्थ है, जैसे नेपाल में भूकंप के बाद भारत की मदद थी, जिससे नेपाल में हल्ला हुआ 'थोथा चना बाजे घना'!

तभी सोचें, भारत के पड़ोसियों और दक्षिण एशिया के देशों की दशा पर! सभी देश अपने को ऐसे बाड़ों में कनवर्ट किए हुए हैं, जो भीड़ के कारण चिन्हित है मगर बाजार के रूप में। दक्षिण एशिया की समस्याओं, गरीबी, जलवायु परिवर्तनों, आपदाओं-विपदाओं, आपसी और अंदरूनी कलह जैसे पहलुओं से बाकी दुनिया का विशेष सरोकार नहीं है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि दक्षिण एशिया का हर देश अपने आपको तुर्रम खां मानता है। जैसे म्यांमार अछूत है वैसे ही अफगानिस्तान अछूत है। अफगानिस्तान के तालिबान ने अपने बाड़े से गैर-मुसलमानों को भगाया तो म्यांमार ने उधर मुसलमानों को खदेड़ा। अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों इस्लामी देश हैं और कल भी खबर थी कि खैबर पख्तूनख्वा में तहरीके तालिबान ने पाकिस्तानी सैनिकों को मारा। म्यांमार और श्रीलंका दोनों बौद्ध बहुल हैं और दोनों एक दूसरे प्रति सर्द हैं। भारत और नेपाल हिंदू बहुल हैं मगर नेपाल काफी हद तक अब चीनपरस्त है। बांग्लादेश में क्या हो रहा है, इसका हमें ताजा अनुभव हैं। उसके पास अब चीन की पूंछ पकड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

दक्षिण एशिया के देशों में जहां रिश्ते ठूंठ, संवेदनहीन, अविश्वासी हैं वही अब डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद जाहिर है कि मानवीयता में मदद के उस वैश्विक कुबेर के दरवाजे बंद हैं, जिसने दूसरे महायुद्ध के बाद दान, दया और दयालुता की भी एक विश्व व्यवस्था बनाई थी।

इस अनहोनी के वैश्विक मायने हैं तो दक्षिण एशिया के लिए भी हैं। बांग्लादेश में लाखों रोहिंग्या शरणार्थी हैं। उनकी मदद के लिए सन् 2007 से अब तक अमेरिका कोई 2.7 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च कर चुका है। डोनाल्ड ट्रंप ने उस विभाग-एजेंसी को ही खत्म कर जिया है, जिससे दुनिया भर को दान या मदद जाती थी। इस एजेंसी का चालू वर्ष में 58 अरब डॉलर का बजट था। ट्रंप ने एक झटके में एजेंसी पर ताले लगा दिए। तय मानें अमेरिका द्वारा हाथ खींच लेने के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) की एजेंसियां भी मदद के मामले में कंगली हो जानी हैं। जब दुनिया का सबसे अमीर देश अमेरिका बदल गया है और उसे प्रभाव और पुण्यता की चिंता नहीं है तो बाकी अमीर देश भी अपने हाथ खींचेंगे। रोहिंग्या तब कैंपों से भाग किधर आएगे भारत में!

तो न म्यांमार के भूकंप पर कोई फिक्र और रोहिंग्या की चिंता। ऐसे ही पश्चिम एशिया के गाजा में इजराइल बनाम हमास की लड़ाई में बेघर और बेमौत मरते लोगों पर गौर करें। क्या वहां के मनुष्यों की कोई चिंता करते हुए है सही है वे मुसलमान हैं और मुसलमान के साथ कुछ भी हो वह दोनों मायनों में एक ही भाव लिए हुए है। एक तरफ इस्लामी धर्म गुरू जाकिर नाईक दलीलें बनाते हुए होंगे कि अल्लाह की यही प्लानिंग है तो दूसरी तरफ राय होगी ये इसी लायक हैं। तभी हैरानी नहीं है जो न इजराइल पसीज रहा है और न हमास पसीजा है। हमास हो या उसके पीछे का ईरान या कोई भी मददगार, उसे इतना तो सोचना चाहिए था कि जब सब खंडहर हो गया है, रमजान के समय में भी राशन का टोटा है तो सभी यहूदी बंधकों की रिहाई कर अपने लोगों को सांस लेने दें।

इससे भी बड़ा अहम सवाल बगल के मिस्र, जोर्डन, सऊदी अरब, कुवैत, खाड़ी देशों पर है। क्या इनमें फिलस्तीनियों के यहां जैसे भी हो खाने-पीने के सामान को पंहुचाने की जिद्द नहीं होनी थी मुस्लिम छात्रों और नौजवानों ने अमेरिका के विश्वविद्यालयों, कैंपस और लंदन की सड़कों पर प्रदर्शन किया लेकिन काहिरा और रियाद में नहीं। क्या इन्हें फिलस्तीनी शरणार्थियों, बेघर लोगों के लिए बेसिक जरूरतों की सप्लाई बनवाए रखने के प्रदर्शन नहीं करने थे लेकिन इनके प्रदर्शन इजराइल के विरोध की प्राथमिकता में थे न कि मानवीयता के तकाजे में!

मेष राशि: आज आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आगमन हो सकता है। माता दुर्गा के आशीर्वाद से आपके रुके हुए काम सफल होंगे। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। आज आपके दाम्पत्य जीवन में खुशियां आएंगी। व्यापार की गति बढ़ाने के लिए आज आप नया प्लान बनायेंगे। माता को लाल चुनरी चढ़ाए, रुके हुए पैसे वापस मिलेंगे।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए फेबरेबल रहने वाला है। आज आपके परिवार में नई खुशियाँ आएंगी। आज आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी। अगर आँख से सम्बंधित समस्या है तो किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। आज आपको पैसों के लेन-देन में सावधान रहने की जरूरत है। मां दुर्गा को पान का पत्ता अर्पित करें, मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। नया ऑफिस ज्वाइन करना चाहते हैं तो समय आपका साथ देगा। कार्य क्षेत्र में सफलता हासिल होगी। आज नौकरी में उल्लास का माहौल बनेगा। डॉक्टर्स आज अपने सीनियर से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे। इस राशि के इंजीनियर के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। माता के आगे माथा टेके, कारोबार में बढ़ोतरी होगी।

कर्क राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज दोस्तों के साथ बाहर खाने का प्लान बनायेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को सोच समझकर फैसला लेना चाहिए। आज आप नया सामान खरीदने का मन बना सकते हैं। आज अपने व्यापार में बदलाव लायेंगे, इससे आपको अच्छा मुनाफा होगा। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कन्या के पैर छूकर आशीर्वाद लें, आपकी मेहनत रंग लायेगी।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। व्यापार में अनुकूल स्थितियां बनी रहेंगी। आज आपको बड़ों का सहयोग मिलेगा। आज बच्चों के साथ आप समय बिताएंगे। आज आपको वाहन सुख के योग बन रहे हैं। बुजुर्गों की धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी। लवमेट आज एक दूसरे की भावनाओं की कद्र करेंगे। स्कन्द माता को फूल अर्पित करें, मेहनत के बेहतर परिणाम मिलेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। बिजनेस मैन की रुकी डील आज फाइनल होगी। आज नए क्लाइंट्स के साथ मीटिंग करेंगे। अविवाहितों के चल रहे रिश्ते की बात जल्द पक्की होगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बितायेंगे। किसी के सहयोग से आपको लाभ होगा।

तुला राशि: आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आज आप धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस राशि के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी समझदारी से करनी चाहिए, सफलता के योग बने हुए हैं। माता-पिता की जिम्मेदारियों को उठाने का पूर्ण प्रयास करेंगे। आज अचानक धन लाभ होने के योग बने हुए है। लवमेट आज अपने रिश्ते की बात घर वालों से करेंगे। माता के सामने घी का दीपक जलाएं, मनपसंद जीवनसाथी मिलेगा।

धनु राशि:आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आज आपको सफलता की नयी किरण दिखाई देगी। काफी समय से वाहन लेने का मन बना रहे हैं तो आज वाहन लेने में समय आपका साथ देगा। दुर्गा स्तोत्र का पाठ करें, स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

मकर राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप व्यापार के लिए मशीनरी उपकरण खरीदने का मन बना सकते हैं। परिवार के सदस्यों में प्रेम भाव बढ़ेगा। लवमेट को मनचाहा उपहार मिलेगा। आर्ट्स के छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नयी कलाकृति दोस्तों को पसंद आयेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। माँ स्कन्दमाता को मीठे का भोग लगायें, किस्मत का साथ मिलता रहेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। संतान पक्ष से सहयोग मिलेगा, रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। अगर आपके घर का निर्माण कार्य चल रहा है तो जल्द पूरा हो जायेगा। आज आपको प्रमोशन से जुडी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतर बनेगा, साथ में किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे। परिवार के साथ माता दुर्गा की पूजा करें, जीवन में खुशियाँ बनी रहेंगी।

मीन राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी मेहमान के आने से उनके सत्कार की तैयारियों में व्यस्त रहेंगे। आज आपको आय के नए साधन मिलेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सिविल इंजीनियर्स का चल रहा प्रोजेक्ट आज पूरा हो जायेगा। आज आपकी सकारात्मक सोच कार्यों में सहयोग करेगी।

जल संकट का समाधान: परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का संगम

जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों को मिलाकर जल संकट से बचा जा सकता है, भारत में जल संरक्षण का एक समृद्ध इतिहास रहा है, हमारे पूर्वजों ने भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के अनुसार जल संरक्षण की अनेक प्रणालियाँ विकसित की थीं, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

जल संकट आज की दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान व तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है। जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल 4 प्रतिशत मीठा पानी है, लेकिन इसकी 18ब आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू-चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है।

स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडल इस गाँव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भूजल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहाँ जल उपलब्धता बढ़ी। राजस्थान की जोहड़ प्रणाली छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भूजल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणाली ये छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भूजल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं। नागालैंड की ज़ाबो कृषि पद्धति यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणाली यह प्रणाली वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है।

जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएँ जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं।

जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्य- तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली में जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएँ हैं।समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जाता है। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गाँव की सभाएँ छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायत: यह योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गाँवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं।

परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। IIT मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएँ बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रण: शहरों में अपशिष्ट जल को पुन: उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए। जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है।

पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ AI आधारित निगरानी प्रणाली को जोड़कर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कानूनी मान्यता, वैज्ञानिक सहयोग, स्थानीय भागीदारी, जल पुनर्चक्रण और जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है। जल संकट से निपटने के लिए हमें अतीत की सीख और भविष्य की तकनीकों के बीच संतुलन बनाना होगा। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ हमें स्थिरता और स्थानीय अनुकूलन का ज्ञान देती हैं, जबकि आधुनिक तकनीकें जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायता कर सकती हैं। यदि हम दोनों का संगम करके कार्य करें, तो जल संकट का स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सकता है। बूँद-बूँद से घड़ा भरता है - जल संरक्षण की दिशा में एक छोटा प्रयास भी भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार 04 अप्रैल 2025, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

सभी न्यायाधीश अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करें, मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने दिया आदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। अभी कुछ ही दिन पहले दिल्ली हाईकोर्ट के जज के घर से करोड़ों रुपए कैश मिलने का मामला सामने आया था। इस घटना के बाद पूरे देश में न्यायापालिका पर सवाल उठने खड़े हो गए थे। देश भर में इस मामले ने तूल पकड़ा हुआ है। अब इसी बीच देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने एक आदेश जारी किया है कि देश में सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करना होगा। बता दें एक साल पहले सूचना के अधिकार के तहत जानकारी से पता चला कि हाईकोर्ट में जितने जज हैं, उनमें से केवल 13 प्रतिशत ने ही अपनी संपत्ति के बारे में घोषणा कर रखी है। भारत में 25 हाईकोर्ट हैं और उनमें करीब 1100 के आसपास न्यायाधीश। इसमें केवल 98 ने ही अपनी संपत्ति सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराई है। इसमें भी ज्यादातर जज केरल, पंजाब-हरियाणा और दिल्ली हाईकोर्ट के हैं। हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर मिले नोटों के बाद ये सवाल पूछा जा रहा है कि क्या जजों की संपत्ति जाहिर करने संबंधी कोई आचार संहिता है।

सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को बड़ा झटका, 25,000 नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला बरकरार रखा

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कोलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले को सही ठहराया, जिसमें पश्चिम बंगाल के स्कूलों में लगभग 25,000 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया में व्यापक अनियमितताओं और धोखाधड़ी का हवाला देते हुए इस निर्णय को बरकरार रखा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरी प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं बरती गईं। व्यापक अनियमितताओं के कारण पूरी चयन प्रक्रिया को दोषपूर्ण घोषित करना सही है। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पहले भर्ती किए गए लोगों को अपनी नौकरी के दौरान प्राप्त वेतन वापस करने की आवश्यकता नहीं है।

बड़ा हादसा : सुपौल से दिल्ली जा रही बस में आग लगने से मची अफरा-तफरी, 125 यात्री थे सवार

सुपौल (आरएनएस)। सुपौल से दिल्ली जा रही एक बस में अचानक आग लग गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसा उस समय हुआ जब बस में करीब 125 यात्री सवार थे। चालक की सतर्कता और यात्रियों की सूझबूझ से बड़ी घटना टल गई। जैसे ही आग की सूचना मिली, चालक ने बस रोक दी और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कुछ यात्रियों ने जान बचाने के लिए खिड़कियों से छलांग भी लगाई।

हड़बड़ी में करीब 10 से 12 यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं। यात्रियों ने बताया कि बस में तीन किलोमीटर पहले से ही जलने की गंध आ रही थी, लेकिन चालक बस को जबरन चला रहा था। यात्रियों के दबाव देने पर बस रोकी गई और सभी को बाहर निकाला गया।बताया जा रहा है कि यह बस शिवगुरु नामक निजी कंपनी की थी। जैसे ही लोग कुछ समझ पाते, बस पूरी तरह आग की लपटों में घिर गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। अंतत: बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। राहत की बात यह रही कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और रात में ही अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए।

वक्फ बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी डीएमके , सीएम स्टालिन बोले, तमिलनाडु लड़ेगा और सफल भी होगा

चेन्नई ,(आरएनएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने की निंदा की और ऐलान किया कि डीएमके इस कानून को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी। तमिलनाडु विधानसभा में सीएम स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु लड़ेगा और इस लड़ाई में उसे सफलता मिलेगी।लोकसभा में विधेयक पारित होने के विरोध में डीएमके विधायकों ने विधानसभा सत्र के दौरान काली पट्टियां बांधीं।सीएम स्टालिन ने सदन को याद दिलाया कि 27 मार्च को तमिलनाडु विधानसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक को वापस लेने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि यह धार्मिक सद्भाव को कमजोर करता है और अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा, भारत भर में अधिकांश राजनीतिक दलों ने इस विधेयक का विरोध किया। फिर भी, इसे लोकसभा में पारित कर दिया गया, जो अत्यधिक निंदनीय है। हालांकि यह सदन से पारित हो गया है, लेकिन इसके खिलाफ बड़ी संख्या में वोटों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 232 सदस्यों ने विधेयक का विरोध किया, यह रेखांकित करते हुए कि यह कोई मामूली आंकड़ा नहीं है। उन्होंने कहा, विपक्ष और भी मजबूत हो सकता था। इस कानून को पूरी तरह से वापस लिया जाना चाहिए। सीएम स्टालिन ने विधेयक को पारित करने के समय और तरीके की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, देश के अधिकांश राजनीतिक दलों के विरोध की अनदेखी करते हुए, रात 2 बजे इस तरह के संवेदनशील कानून को पेश करना और पारित करना, भारत के संविधान पर सीधा हमला है और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास है।उन्होंने दोहराया कि डीएमके वक्फ (संशोधन) विधेयक को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु इस कानून के खिलाफ अपनी कानूनी और राजनीतिक लड़ाई जारी रखेगा।लोकसभा ने 12 घंटे की लंबी बहस के बाद गुरुवार, 3 अप्रैल को तड़के विधेयक पारित कर दिया। कुल 288 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया, जबकि 232 ने इसका विरोध किया। व्यापक विरोध के बावजूद, विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए गए सभी संशोधनों को ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया। बहस के दौरान, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने विधेयक का बचाव करते हुए दावा किया कि इसे अल्पसंख्यक समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा बैंकॉक, थाईलैंड में भारत और थाईलैंड के बीच समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान के साक्षी बने।

मुंबई में बड़ी साजिश नाकाम... लॉरेंस गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार, बड़े बिजनेसमैन पर थी हमले की तैयारी

मुंबई, (आरएनएस)। मुंबई में क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने एक होटल से पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी लॉरेंस विश्नोई गैंग के बताए जा रहे हैं और मुंबई में किसी बड़े उद्योगपति और अन्य व्यक्तियों पर हमले की तैयारी में थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 देसी पिस्तौल, 21 जिंदा कारतूस और 2 सिम कार्ड बरामद किए हैं। हालांकि पुलिस ने अब तक इस बात का खुलासा नहीं किया है कि किस व्यक्ति पर हमले की साजिश रची जा रही थी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विवेक कुमार गुप्ता, सुमित कुमार दिलावर, विकास दिनेश ठाकुर उर्फ विक्की, देवेन्द्र सक्सेना और श्रेयस यादव के रूप में हुई है। विवेक गुप्ता राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला है, जबकि सुमित कुमार हरियाणा के सोनीपत से ताल्लुक रखता है। विकास उर्फ विक्की यूपी के गोरखपुर का रहने वाला है। वहीं देवेन्द्र सक्सेना मध्य प्रदेश के इंदौर का निवासी है और श्रेयस यादव बिहार के गोपालगंज का रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से कुछ पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। विकास ठाकुर उर्फ विक्की के खिलाफ उत्तर प्रदेश के सेंधवा में अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज है। वहीं, सुमित कुमार दिलावर पर हरियाणा में हत्या के प्रयास, शारीरिक हमला, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं।

भारतीय वायुसेना का फाइटर जेट जगुआर दुर्घटनाग्रस्त, एक पायलट की मौत; दूसरे की हालत गंभीर

नई दिल्ली (आरएनएस)। गुजरात के जामनगर जिले में भारतीय वायुसेना का एक जगुआर फाइटर जेट बड़ा हादसे का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में एक पायलट की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया है। जामनगर के पुलिस अधीक्षक प्रेमसुख डेलू ने घटना की पुष्टि की है। भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी कर बताया कि विमान को तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा था। पायलटों ने विमान को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले जाने की कोशिश की। इसी दौरान दुर्घटना हो गई।पुलिस के अनुसार, विमान में दो पायलट सवार थे। हादसे के समय एक पायलट समय रहते विमान से बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि दूसरे पायलट की मौत हो गई। घायल पायलट का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह दुर्घटना जामनगर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर सुवरदा गांव के पास हुई। सामने आए एक वीडियो में खेत में आग लगी हुई दिखाई दे रही है।

प्रधानमंत्री मोदी का बैंकॉक में जोरदार स्वागत, बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बैंकॉक पहुंचे। उनका भारतीय प्रवासियों ने मोदी मोदी और वंदे मातरम के नारे लगातार गर्मजोशी से स्वागत किया। थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री सूरिया जुंगरुंगरेंगकिट सहित कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया।पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, बैंकॉक, थाईलैंड में उतरा। आगामी आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने, भारत और थाईलैंड के बीच सहयोग के बंधन को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री मोदी छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड में हैं। वह 4 अप्रैल को क्षेत्रीय नेताओं के साथ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे।पीएम मोदी भारत-थाईलैंड संबंधों को मजबूत करने के लिए थाई नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। बैंकॉक में आगमन के बाद, प्रधानमंत्री का भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है, जिसमें वह भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक संबंधों को रेखांकित करेंगे। इससे पहले, अपने प्रस्थान वक्तव्य में पीएम मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनवात्रा के निमंत्रण पर, मैं आज थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा और छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना हो रहा हूं। उन्होंने कहा, पिछले दशक में, बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास, संपर्क, आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र बिम्सटेक के केंद्र में है। प्रधानमंत्री ने बिम्सटेक नेताओं के साथ बातचीत के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मैं बिम्सटेक देशों के नेताओं से मिलने और हमारे सहयोग को और मजबूत करने के लिए रचनात्मक रूप से बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।

हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस को सौंपी कर्नल बाठ मामले की जांच, पंजाब पुलिस की एसआईटी खारिज

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पटियाला में आर्मी कर्नल पुष्पिंदर बाठ से मारपीट के मामले में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने इस केस की जांच चंडीगढ़ पुलिस को सौंप दी है, जिसे चार महीने के भीतर पूरी करनी होगी। अदालत के आदेशानुसार, तीन दिन के भीतर नई जांच टीम गठित की जाएगी, जिसमें पंजाब पुलिस का कोई भी अधिकारी शामिल नहीं होगा। हालांकि, जांच में पंजाब पुलिस को पूर्ण सहयोग देना अनिवार्य होगा।इससे पहले, पंजाब पुलिस ने इस मामले में एक एसआईटी (विशेष जांच टीम) बनाई थी, जिसने बयान दर्ज करने के साथ-साथ सबूत भी जुटाए थे। बावजूद इसके, हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस की जांच प्रक्रिया और दलीलों को अस्वीकार कर दिया। यह याचिका कर्नल पुष्पिंदर बाठ ने सीबीआई जांच की मांग को लेकर दायर की थी।इसी दौरान, कर्नल की पत्नी जसविंदर कौर बाठ ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा है, जिस पर उन्हें ट्रैक करने का आरोप है। उनका कहना है कि वह व्यक्ति उनकी गतिविधियों की निगरानी कर रहा था और पल-पल की जानकारी व फोटो वॉट्सऐप के जरिए किसी को भेज रहा था। शक के आधार पर उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। यह मामला अब एक नए मोड़ पर पहुंच चुका है और आगामी जांच में कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

2 मई से खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट, पैदल मार्ग को किया जा रहा दुरुस्त

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से शुरू होने वाली है। इससे पहले जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें यात्रा की तैयारियों में जुट गई हैं। मकसद है कि कपाट खुलने से पहले सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त हो जाएं, ताकि यात्रा सुगम और भव्य तरीके से चल सके। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने बताया कि सड़क मार्ग से लेकर केदारनाथ के पैदल रास्तों को तेजी से ठीक किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की टीमें पैदल मार्गों पर जमी मोटी बर्फ को हटाने में दिन-रात लगी हैं। पिछले साल आई आपदा से टूटे रास्तों की मरम्मत भी की जा रही है। डॉ. खाती ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है।वहीं, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामप्रसाद ने बताया कि इस बार

केदारनाथ धाम में 17 बेड का अस्पताल तैयार हो रहा है। जैसे ही बर्फ हटाने का काम पूरा होगा, स्वास्थ्य विभाग की टीमें जरूरी सामान के साथ व्यवस्था जुटाने में लग जाएंगी।उन्होंने कहा, गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल मार्ग पर सभी मेडिकल रिलीफ पॉइंट्स को ठीक किया जा रहा है। फाटा में इस बार हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर और एक्स-रे मशीन की सुविधा भी उपलब्ध होगी।इसके अलावा, यात्रा के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की मांग शासन से की गई है।जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें यह सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो। बर्फबारी और आपदा के बाद रास्तों को सुरक्षित बनाना बड़ी चुनौती है। लेकिन, तैयारियां तेजी से चल रही हैं। हर साल लाखों श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए आते हैं। इस बार भी प्रशासन यात्रा को सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। जैसे-जैसे कपाट खुलने की तारीख नजदीक आ रही है, तैयारियों में और तेजी लाई जा रही है।

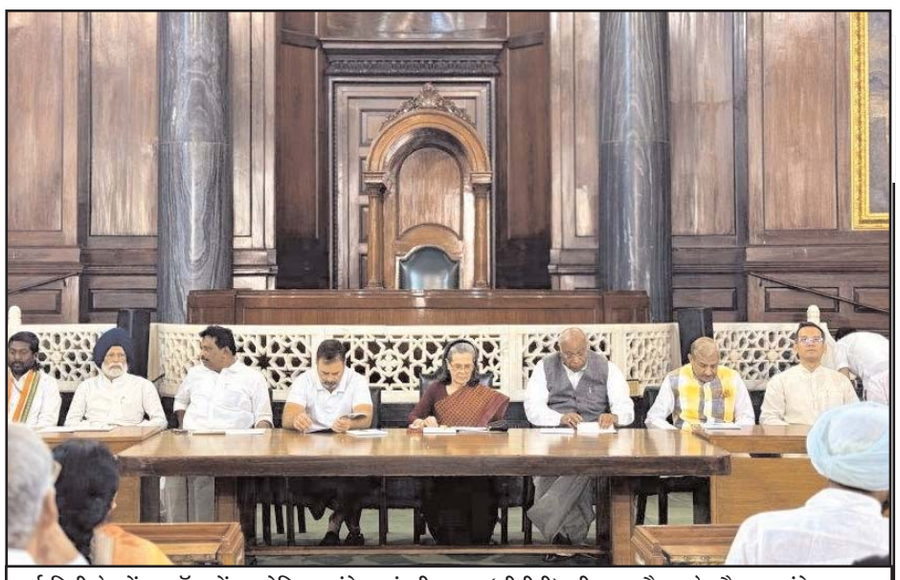

नई दिल्ली के सेंट्रल हॉल में आयोजित कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की आम बैठक के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी।

संसद में वक्फ विधेयक को जबरन पारित किया गया, यह संविधान पर सीधा हमला है : सोनिया गांधी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में इसे संविधान पर सीधा हमला बताया और कांग्रेस सांसदों से कहा कि वे भाजपा शासित एनडीए सरकार की नाकामियों को आक्रामकता के साथ उजागर करें। सोनिया गांधी ने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में कहा कि वक्फ विधेयक को जबरदस्ती संसद से पास कराया गया। उन्होंने कहा, यह विधेयक संविधान पर सीधा हमला है। यह समाज को हमेशा बांटकर रखने की भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

उन्होंने वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पर भी कड़ी आपत्ति जताई और इसे संविधान के साथ छेड़छाड़ बताया।

सोनिया गांधी ने कहा कि दो साल पहले संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित हुआ था, लेकिन अब तक इसमें एससी, एसटी और ओबीसी महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने की अनदेखी की जा रही है।

उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यूपीए सरकार के समय शुरू किए गए चार प्रमुख कानून-सूचना का अधिकार (आरटीआई), मनरेगा, वन अधिकार कानून और भूमि अधिग्रहण कानून को वर्तमान सरकार कमजोर कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि 2013 में लागू राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून से 80 करोड़ लोगों को लाभ मिल रहा है, लेकिन जनगणना न होने के कारण 14 करोड़ लोग अपने अधिकार से वंचित रह गए हैं।

सोनिया गांधी ने कांग्रेस नेताओं से यह भी अपील की कि वे मोदी सरकार द्वारा उनकी योजनाओं को हथियाने और अपना बताकर दोबारा पेश करने की कोशिशों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखें। उन्होंने कहा, मोदी सरकार देश को ऐसे हालात में ले जा रही है, जहां संविधान सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएगा। हमें सच के लिए लड़ाई जारी रखनी होगी और सरकार की नाकामियों को उजागर करना होगा।सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि 2004 से 2014 के बीच यूपीए सरकार की कई योजनाओं को एनडीए सरकार ने नए रूप में पेश कर अपनी उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया है। कांग्रेस को इन सच्चाइयों को जनता तक पहुंचाने के लिए और प्रयास करने होंगे।सोनिया गांधी ने कहा कि संसद में भाजपा सांसद कांग्रेस शासित राज्यों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सांसदों से भी केंद्र सरकार की नाकामियों को उजागर करने के लिए उतनी ही जोरदार और आक्रामक रणनीति अपनाने की अपील की।

यूपी : वीरता के साथ अब विकास का भी इतिहास रच रहा बुंदेलखंड

लखनऊ (आरएनएस)। बुंदेलखंड, शौर्य और संस्कार की धरती है। अपनी वीरता के इतिहास के लिए विख्यात बुंदेलखंड की धरा आने वाले समय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से विकास का इतिहास रचने जा रही है। अक्सर सूखे के लिए जाना जाने वाला बुंदेलखंड भविष्य में अपनी हरियाली के नाते जाना जाएगा। यहां की बड़ी और छोटी सिंचाई परियोजनाएं, खेत तालाब योजना के तहत बनाए गए तालाब इसका जरिया बन रहे हैं। कृषि के साथ ही बुंदेलखंड औद्योगिक प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। उल्लेखनीय है कि बुंदेलखंड में सात जिले (चित्रकूट, बांदा, झांसी, जालौन, हमीरपुर, महोबा और ललितपुर) शामिल हैं। करीब 69 हजार वर्ग किलोमीटर में विस्तृत बुंदेलखंड का रकबा उत्तर प्रदेश के कुल रकबे का करीब 10 प्रतिशत है। यहां दलहन और तिलहन की फसलों की खेती की अच्छी संभावना है। सरकार यहां दलहन ग्राम योजना भी चला रही है। साथ ही पूरे बुंदेलखंड में मिशन मोड में प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन पर भी सरकार का पूरा फोकस है।अमूमन सूखे का सामना करने वाले बुंदेलखंड की कृषि उत्पादन में हिस्सेदारी सिर्फ 5.5 प्रतिशत है। उत्पादन के इस अंतर की भरपाई के लिए सरकार बुंदेलखंड में सिंचन क्षमता में लगातार विस्तार कर रही है। साथ ही विश्व बैंक की मदद से चार हजार करोड़ की लागत से छह वर्ष तक चलने वाली उत्तर प्रदेश ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी एग्रीज) योजना में बुंदेलखंड के सभी जिलों को शामिल कर सरकार यहां की खेतीबाड़ी का भी कायाकल्प करने जा रही है। फिलीपींस के मनीला स्थित इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट की वाराणसी शाखा भी इस परियोजना में बतौर पार्टनर शामिल है।योजना के तहत क्लस्टर खेती को बढ़ावा देने के साथ डिजिटल और वित्तीय इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा। साथ ही किसानों को सघन ट्रेनिंग दी जाएगी। योगी सरकार की पहल पर हो रहा बुंदेलखंड का औद्योगिकीकरण इसे उत्तर प्रदेश का ही नहीं, देश के बड़े इंडस्ट्रियल हब में शुमार करेगा। डिफेंस कॉरिडोर, ललितपुर में बनने वाला फार्मा पार्क, कानपुर और झांसी के बीच प्रस्तावित देश का सबसे बड़ा औद्योगिक विकास प्राधिकरण बीडा और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे बनने वाले औद्योगिक गलियारे, ललितपुर में बन रहा फार्मा पार्क इसका जरिया बनेंगे।

मोनालिसा का पूल साइड लुक हुआ वायरल, सोशल मीडिया का तापमान हाई

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर अपने ग्लैमरस और स्टनिंग लुक्स के लिए जानी जाती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पूल साइड की कुछ हॉट और स्टाइलिश तस्वीरें शेयर की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों में मोनालिसा ब्लू कलर की प्रिंटेड आउटफिट में नजर आ रही हैं और उनका यह बोल्ड अवतार फैंस को खूब पसंद आ रहा है. मोनालिसा ने इन तस्वीरों के साथ एक रोमांटिक कैप्शन दिया- इश्क में.., जिससे उनके फैंस के बीच और भी ज्यादा एक्साइटमेंट बढ़ गया. कमेंट सेक्शन में फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. किसी ने उन्हें हॉटनेस क्वीन कहा, तो किसी ने बॉस लेडी का टैग दे दिया.मोनालिसा की यह तस्वीरें पोस्ट होते ही वायरल हो गईं. महज कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं. फैंस के अलावा कई सेलेब्स ने भी उनके लुक की तारीफ की है. इससे पहले भी मोनालिसा अपनी वेकेशन और ट्रेडिशनल लुक वाली तस्वीरों को लेकर चर्चा में रह चुकी हैं.मोनालिसा न सिर्फ भोजपुरी इंडस्ट्री बल्कि टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी अपना जलवा बिखेर चुकी हैं. बिग बॉस में नजर आने के बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई थी. वह कई हिंदी और भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुकी हैं और अपनी एक्टिंग और स्टाइल के लिए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं.

सनी देओल की जाट का पहला गाना टच किया जारी, जबरदस्त डांस करती दिखीं उर्वशी रौतेला

पिछली बार सनी देओल को फिल्म गदर 2 में देखा गया था, जिसमें हमेशा की तरह उनके काम को काफी सराहा गया। यह फिल्म 2023 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है।आने वाले समय में सनी एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। इन्हीं में एक नाम जाट का भी है, जिसके निर्देशन की कमान गोपिचंद मालिनेनी संभाली है। अब निर्माताओं ने जाट का पहला गाना टच किया जारी कर दिया है। टच किया गाने में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला जबरदस्त डांस करती दिख रही है। इस गाने को मधुबंती बागची और शाहिद माल्या ने मिलकर गाया है। फिल्म के मेकर्स ने आज इस गाने को लॉन्च किया और यकीन मानिए, टच किया देखते ही लोग अपने डांसिंग शूज़ पहन लेंगे! गाने में उर्वशी रौतेला अपने बोल्ड डांस मूव्स, ग्लैमरस लुक और दमदार एक्सप्रेशन्स से सबका ध्यान खींच रही हैं। लेकिन सरप्राइज़ फैक्टर हैं विनीत कुमार सिंह, जो फिल्म में गैंगस्टर सोमुलु का किरदार निभा रहे हैं। गाने में वह उर्वशी के साथ धमाकेदार डांस मूव्स दिखाते नज़र आ रहे हैं।

स्टाइल और ग्लैमर के मामले में दिशा पाटनी पर भी भारी पड़ती है नभा नतेश, अदाओं से चलाती है खंजर

बॉलीवुड में जब भी सबसे खूबसूरत और फिट एक्ट्रेसेज की बात होती है तो इस लिस्ट में दिशा पाटनी का नाम पहले नंबर पर आता है। दिशा अपनी अदाओं, लटकों-झटकों और अलग स्टाइल से लोगों का दिल जीत लेती हैं। उनके कूल कपड़े हमेशा ही चर्चा में रहते हैं। दिशा हमेशा कम्फी कैजुअल लुक में रहना पसंद करती हैं। वैसे टॉलीवुड में भी एक हीरोइन ऐसी हैं जो लुक्स, ग्लैमरस और स्टाइलिंग के मामले में दिशा पाटनी से जरा भी पीछे नहीं हैं। सोशल मीडिया पर छाई रहने वाली ये हसीना दिशा पाटनी को भी कई मामलों में फेल करती हैं और इनके चाहने वालों की भी लंबी लिस्ट है। इन दिनों इनके पास कई फिल्मी ऑफर हैं और ये साउथ की सबसे व्यस्त एक्ट्रेसेज में से एक हैं।

क्या अब आप पहचान पाए कि आखिर ये हीरोइन है कौन? ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि नभा नतेश हैं। एक्ट्रेस अपने स्पेशल गानों से फिल्मों में धूम मचाती रहती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस घिबली आर्ट की वजह से चर्चा में आई हैं। इन्होंने कई घिबली आर्ट फोटो पोस्ट की हैं। वो अपनी हर घिबली आर्ट फोटो में प्यारी लगी हैं। नभा नितेश सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके 5 मिलियन से भी ज्यादा फॉलोवर्स हैं। इनकी हर तस्वीर सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाती है। नभा काफी फिट हैं और जिम में पसीने बहाने के अलावा एक्ट्रेस डांस के जरिए भी खुद को काफी फिट रखती हैं।स्मार्ट शंकर, डार्लिंग, अल्लुदु अधुर्स, मायस्ट्रो, वज्रकाया, नान्नु दोचुकुंदेवाते जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय करती नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा भी उनके पास कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। एक्टर निखिल के साथ फिल्म स्वयंभू में नजर आएंगी। इसमें संयुक्ता मेनन भी उनके साथ लीड रोल में हैं। ऐसा भी कहा जा रहा है कि नभा नतेश निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी और बॉलीवुड स्टार सनी देओल की आने वाली फिल्म में एक स्पेशल सॉन्ग करने वाले हैं। हालांकि इस पर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। दूसरी ओर नभा नतेश को इस समय तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कई ऑफर मिल रहे हैं। नागबंधम में भी एक्ट्रेस लीड रोल निभाती नजर आएंगी।

सिकंदर बनी सलमान खान की 18वीं 100 करोड़ी फिल्म, भाईजान ने लिस्ट में अक्षय कुमार को पछाड़ा

सलमान खान स्टारर फिल्म सिकंदर ने अपनी रिलीज के तीन दिन पूरे कर लिए हैं. ईद के मौके पर 30 मार्च को रिलीज हुई सिकंदर ने दो दिनों में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 70 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है. सलमान खान के फैंस ईद पर एक्शन सिकंदर का थिएटर में लुत्फ उठा रहे हैं. सिकंदर ने तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की और फिल्म का कुल कलेक्शन कितना हो गया है आइए जानते हैं.सिकंदर की दो दिनों की ऑफिशियल कमाई की बात करें तो सिकंदर ने वर्ल्डवाइड 54.72 करोड़ रुपये से खाता खोला था और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 35.47 करोड़ रुपये कमाए थे. सिकंदर ने दूसरे दिन भारत में 39.37 करोड़ रुपए और ओवरसीज में 11.80 करोड़ रुपये की कमाई की थी. सिकंदर का दो दिनों का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 105.89 करोड़ रुपये का हो गया है. वहीं, सैकनिल्क के अनुसार, सिकंदर ने तीसरे दिन 19.5 करोड़ रुपये (अनुमानित) की कमाई की है. मंगलवार को फिल्म की कमाई में 32 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है. सलमान खान के पास अब बस एक हफ्ता बचा है, इसके बाद सनी देओल की मास एक्शन फिल्म जाट रिलीज होने जा रही है.

सिकंदर के बारे में बता दें कि इसे साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म सिकंदर का बजट 200 करोड़ रुपये के लगभग है और यह एक मास एंटरटेनर फिल्म है, जिसे गजनी के डायरेक्टर ए आर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है. यह पहली बार है, जब सलमान खान और एआर मुरुगदास साथ में काम करने जा रहे हैं.

अंदाज अपना अपना का नया पोस्टर आया सामने, 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में दोबारा होगी रिलीज

आमिर खान और सलमान खान की यादगार फिल्म अंदाज अपना अपना लगभग 31 साल बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

यह फिल्म पहली बार 4 नवंबर, 1994 को रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया था।

अब निर्माताओं ने अंदाज अपना अपना का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें आमिर और सलमान समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

आइए जानें यह फिल्म दोबारा सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी।अंदाज अपना अपना को 25 अप्रैल, 2025 को एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो से होने वाला है। यह फिल्म भी 25 अप्रैल को सिनेमाघरों का रुख करने वाली है। अंदाज अपना अपना का ट्रेलर जल्द ही रिलीज किया जाएगा।

इसमें रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

किचन में फल-सब्जी काटते समय अपनाएं ये ब्यूटी टिप्स, पैसे और समय दोनों की होगी बचत

कई महिलाओं की ये शिकायत होती है कि घर और ऑफिस का काम करते-करते उन्हें अपने लिए समय निकालने का वक्त नहीं मिलता है. ऐसे अक्सर वह स्किन केयर नहीं कर पाती हैं. कई महिलाओं को घर के काम से फुर्सत नहीं मिलती है. दिन भर साफ-सफाई, किचन का काम, बच्चों की देखभाल करने में उनका सारा समय निकल जाता है. अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो ये आर्टिकल आपके बहुत काम का है. यहां हम आपको कुछ ऐसे ब्यूटी टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप किचन में सब्जी या फल काटते-काटते भी इस्तेमाल कर सकती हैं. आइए जानते हैं इसके बारे में.

फल काटते समय करें ये काम

अगर आप किचन में कोई फल काटें तो उसके दो चार टुकड़े फ्रीजर में जमने के लिए रख दें. जब ये अच्छी तरह से जम जाएंगे तो ये क्यूब्स अपने चेहरे पर लगाएं. इसे लगाने से पहले अपना चेहरा जरूर पानी से धो लें. इससे आपको आइस फेशियल और फ्रूट फेशियल दोनों का फायदा मिल सकता है. इसके लिए आप कोई भी फल ले सकती हैं जैसे तरबूज, पपीता, केला, आम ले सकती हैं.

सब्जी काटते समय अपनाएं ये ट्रिक

किचन में खाना बनाते समय टमाटर की अक्सर जरूरत पड़ती है. ऐसे में आप सब्जी काटें तो टमाटर का एक हिस्सा अलग रख लें. उसमें थोड़ी सी हल्दी मिलाकर आप अपने चेहरे पर लगाएं. इसे आधे घंटे तक चेहरे पर रहने दें. इसके बाद चेहरा पानी से धो लें.इस ट्रिक को अपनाने से आपके चेहरे की टैनिंग दूर होगी. इससे चेहरे पर निखार भी आएगा.

शहद, कॉफी और हल्दी से बनाएं फेस पैक

अमूमन हर किचन में शहद, कॉफी और हल्दी होती ही है. इन तीनों को मिलाकर आप अपने लिए फेस पैक तैयार कर सकती हैं. सबसे पहले शहद की डिब्बी में कॉफी पाउडर और बहुत थोड़ी सी हल्दी मिलाएं. अब जरूरत पड़ने पर इसे कभी भी इस्तेमाल करें. खाना बनाते समय भी आप इसे लगा सकती हैं. ये पैक कई दिनों तक चल जाता है.

छोरी 2 से नुसरत भरूचा की नई झलक जारी, ट्रेलर की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

काफी समय से नुसरत भरूचा अपनी फिल्म छोरी 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है।यह फिल्म छोरी का सीक्वल है, जो 26 नवंबर, 2021 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। अब 4 साल बाद फिल्म का सीक्वल आ रहा है।अब छोरी 2 से नुसरत की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें अभिनेत्री काफी सहमी हुई दिख रही हैं।टी-सीरीज ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर छोरी 2 का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, इस बार...अंधेरा और गहरा है। फिल्म का ट्रेलर आज 3 अप्रैल को रिलीज होगा। फिल्म का टीजर पहले ही सामने आ चुका है।

हर महिला को आनी चाहिए इन 5 तरह की साड़ी पहनने की कला, लगेंगी बेहद खूबसूरत

साड़ी भारतीय महिलाओं के लिए एक सदाबहार और पारंपरिक परिधान है। यह न केवल सुंदरता का प्रतीक है, बल्कि इसे पहनना भी बहुत आरामदायक होता है।अलग-अलग साड़ी पहनने के तरीके न केवल आपके लुक को खास बना सकते हैं, बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी उजागर करते हैं।आइए आज हम आपको कुछ ऐसे साड़ी पहनने के तरीके बताते हैं, जो हर महिला को आने चाहिए और जो आपके लुक को और भी खास बना सकते हैं।

बंगाली तरीका

बंगाली तरीके से साड़ी पहनना बहुत आसान और आकर्षक होता है। इसमें आपको पल्लू को सामने से पीछे की ओर ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है। इसमें पल्लू को थोड़ा लंबा छोड़ना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके।यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

महाराष्ट्रीयन तरीका

महाराष्ट्रीयन तरीके से साड़ी पहनना भी एक दिलचस्प अनुभव हो सकता है। इसमें आपको पल्लू को एक तरफ से

दूसरी तरफ ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है।इस तरीके में पल्लू को थोड़ा छोटा रखना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके। यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

गुजराती तरीका

गुजराती तरीके से साड़ी पहनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन इसका लुक बहुत ही खास होता है। इसमें आपको पल्लू को सामने से पीछे की ओर ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है। इसमें पल्लू को थोड़ा लंबा छोड़ना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके।

यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

दक्षिण भारतीय तरीका

दक्षिण भारतीय तरीके से साड़ी पहनना सबसे आसान होता है, लेकिन इसका लुक बहुत आकर्षक होता है।इसमें आपको पल्लू को एक तरफ से दूसरी तरफ ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है। इस शैली में पल्लू को थोड़ा छोटा रखना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके।यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

पंजाबी तरीका

पंजाबी तरीके से साड़ी पहनना बहुत ही मजेदार होता है।

इसमें आपको पल्लू को सामने से पीछे की ओर ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है। इस शैली में पल्लू को थोड़ा लंबा छोड़ना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके।

यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने बैंकॉक, थाईलैंड में एक बैठक के दौरान उपहारों का आदान-प्रदान किया।

नेपाल : पूर्व राजा पर भड़के पीएम ओली, कहा - दोषी पाए गए तो करना होगा सजा का सामना

काठमांडू , (आरएनएस)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हिंसक विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले राजशाही समर्थकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि 28 मार्च की हिंसा में दोषी पाए जाने पर पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को भी नहीं बख्शा जाएगा।स्थानीय मीडिया के अनुसार सोमवार को प्रतिनिधि सभा की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने एक वीडियो बयान के जरिए शाह पर प्रदर्शनकारियों को भड़काने का आरोप लगाया।ओली ने कहा कि पूर्व राजा समेत आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को सजा से छूट नहीं दी जाएगी।प्रधानमंत्री ने सवाल किया, क्या सिंहासन वापस पाने की आकांक्षा रखने वालों को विरोध और उसके परिणामों पर अपनी स्थिति सार्वजनिक रूप से नहीं बतानी चाहिए? ओली ने संसद में कहा, उन्हें (पूर्व राजा को) किसी भी तरह से सजा से छूट नहीं दी जाएगी। जो लोग वर्तमान व्यवस्था को उखाड़ फेंकने और राजशाही को दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें 28 मार्च की घटनाओं पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। इन भयावह कृत्यों के

दोषियों को कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करना होगा। संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के सांसदों को संविधान को खत्म करने से बचने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वे चार्टर की रक्षा करने के लिए शपथबद्ध हैं।इस बीच, ओली के भाषण ने संसद में आरपीपी के सांसदों के विरोध को भड़का दिया।नेपाल के प्रमुख दैनिक काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी प्रमुख राजेंद्र लिंगडेन ने 2008 में राजशाही के खात्मे के बाद से ही रिपब्लिकन पार्टियों पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा का दौर जारी, अवामी लीग के नेताओं के घरों पर हमला

ढाका (आरएनएस)। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग को एक बार फिर निशाना बनाया गया। पूर्व मेयर अनवरुज्जमां चौधरी और पूर्व सांसद शफीउल आलम चौधरी नादेल के घरों पर कथित तौर पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र दल के बैनर तले भीड़ ने हमला किया और तोड़फोड़ की। स्थानीय मीडिया आउटलेट यूएनबी की रिपोर्ट के अनुसार, सिलहट एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (ओसी) सैयद अनिसुर रहमान ने कहा कि छात्रों और आम लोगों के एक उग्र समूह ने नादेल के आवास पर हमला किया, जिससे नुकसान हुआ।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बुधवार को 70-80 बाइकों पर सवार होकर छात्र दल के सदस्यों का एक समूह जुलूस के रूप में सिलहट शहर के हाउसिंग एस्टेट क्षेत्र में स्थित नादेल के आवास पर पहुंचा। उन्होंने घर में घुसकर सीसीटीवी कैमरे और लैपटॉप को क्षतिग्रस्त कर दिया।

एक अन्य घटना में सिलहट के पथंतुला इलाके में अनवरुज्जमां चौधरी के घर पर हमला किया गया। हमलावरों ने फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान तोड़ डाला।

जलालाबाद पुलिस स्टेशन के प्रभारी हारुनुर रशीद ने कहा, रिपोर्ट मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की। हमें पता चला कि गुस्साए छात्रों और आम लोगों ने हमला किया।

स्थानीय मीडिया आउटलेट बीडीडीआईजीईएसटी की रिपोर्ट के अनुसार, भीड़ ने घर से कीमती सामान भी चुरा लिया।

घटना के वक्त अनवरुज्जमां का कोई भी रिश्तेदार घर में नहीं था; दो केयरटेकर घर की देखभाल कर रहे थे और हमलावरों ने कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

नेतन्याहू ने रद्द की इजरायली सुरक्षा एजेंसी के नए प्रमुख की नियुक्ति

यरूशलम (ए.)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) एली शार्विट को इजरायली सुरक्षा एजेंसी शिन बेट का नया प्रमुख नियुक्त करने का फैसला वापस ले लिया। राजनीतिक सहयोगियों के विरोध और अपने सहयोगियों से जुड़ी जांच के बाद उन्होंने यह फैसला लिया।नेतन्याहू ने सात उम्मीदवारों के इंटरव्यू के बाद शार्वित की नियुक्ति की घोषणा की थी। हालांकि, हाल के घटनाक्रमों ने उन्हें नियुक्ति रद्द करने के लिए मजबूर कर दिया।

यह विवाद चल रही कतरगेट जांच से उपजा है, जिसमें नेतन्याहू के दो करीबी सहयोगी जोनाथन उरीच और एली फेल्डस्टीन फंस गए हैं।

यह जांच व्यापारिक हस्तियों और अधिकारियों के एक कथित नेटवर्क के इर्द-गिर्द घूम रही है, जो दोहा से इजरायली व्यापारिक हितों को भुगतान की सुविधा प्रदान करते हैं, लेकिन फंड्स के स्रोत को छिपाते हैं।

जांच एक बड़े खुलासे के बाद शुरू हुई। दरअसल सामने आया कि नेतन्याहू के पूर्व प्रवक्ता फेल्डस्टीन प्रधानमंत्री कार्यालय में रहते हुए इजरायली पत्रकारों के बीच दोहा समर्थक बयानों को बढ़ावा दे रहे थे। इसके लिए वह कतर की ओर से अनुबंधित एक अंतरराष्ट्रीय फर्म के साथ मिलकर काम करते थे।

अमेरिकन समोआ में 70 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त

वॉशिंगटन (ए)। आज के समय में मोटापा एक बड़ी चुनौती बन गया है, क्योंकि दुनिया भर में लोगों का वजन तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सबसे ज्यादा मोटे लोग किस देश में रहते हैं?

वर्ल्ड ओबेसिटी डेटा के अनुसार, दुनिया का सबसे मोटा देश अमेरिकन समोआ है, जहां 70 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर नाउरू आता है, जो दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटा-सा द्वीप देश है। यहां मोटापे की दर 69 प्रतिशत है। तीसरे स्थान पर तोकेलाऊ नामक देश है, जहां 67 प्रतिशत लोग मोटे हैं। चौथे नंबर पर स्थित कुक आइलैंड्स में यह दर 66 प्रतिशत है, जबकि पांचवें स्थान पर न्यूई आता है, जहां 63प्रतिशत आबादी मोटापे से जूझ रही है। इसके अलावा, टोंगा, तुआलू, समोआ, फ्रेंच पॉलीनेशिया और यूनाइटेड स्टेट्स भी इस सूची में शामिल हैं। मोटापे की उच्च दर वाले अधिकतर देश हाई इनकम कैटेगरी में आते हैं, जहां सुविधाजनक जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर खान-पान की वजह से वजन तेजी से बढ़ता है। अगर भारत की बात करें, तो जंक फूड और बदलती जीवनशैली के कारण यहां भी मोटापा बढ़ रहा है, लेकिन यह अभी भी वैश्विक स्तर पर गंभीर स्थिति में नहीं है। कुल 200 देशों की सूची में भारत 180वें स्थान पर है, जहां मोटापे की दर मात्र 5.38प्रतिशत है। भारत को लोअर मिडिल इनकम वाला देश माना जाता है, जबकि ज्यादातर मोटे देशों की गिनती हाई इनकम कैटेगरी में होती है।

दक्षिण कोरिया : सोल में 14,000 पुलिसकर्मियों की होगी तैनाती, अदालत सुनाएगी राष्ट्रपति यून के महाभियोग पर फैसला

सोल (ए)। संवैधानिक न्यायालय 5 अप्रैल दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक योल के महाभियोग मामले में फैसला सुनाने वाला है। इसे देखते हुए बड़े पैमाने पर सुरक्षा तैयारियां की जा रही हैं। दक्षिण कोरियाई पुलिस ने सोल में लगभग 14,000 कर्मियों को तैनात करने का फैसला किया है। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी ने पुलिस बलों को गैफो अलर्ट पर रखा है, जो उच्चतम स्तर है और सभी उपलब्ध पुलिस बलों को आपातकालीन स्टैंडबाय पर रखता है।सभी संवैधानिक न्यायालय के जजों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस संवैधानिक न्यायालय परिसर में घुसने का प्रयास करने वालों को तुरंत गिरफ्तार कर लेगी।यदि यून फैसले के लिए अदालत में उपस्थित होते हैं, तो पुलिस राष्ट्रपति निवास से संवैधानिक न्यायालय तक के मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाएगी और रास्ते में उनके पक्ष या विपक्ष में प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को अलग करेगी।महाभियोग केस में फैसले की तारीख की घोषणा के तुरंत बाद ग्वांगह्वामुन स्क्वायर के पास यून विरोधी प्रदर्शनकारियों ने, जहां वे रात भर धरना दे रहे थे, इसका स्वागत किया और निलंबित राष्ट्रपति को तत्काल पद से हटाने के नारे लगाए। लॉयर्स फॉर ए डेमोक्रेटिक सोसाइटी के अध्यक्ष यून बोक-नाम, जिन्हें मिनब्यून के नाम से भी जाना जाता है, ने बताया कि यून के महाभियोग के फैसले की तारीख बहुत देर से आई है, लेकिन फिर भी यह राहत की बात है।

म्यांमार : विनाशकारी भूकंप के बाद महसूस किए गए 66 झटके, 3,085 की मौत, 4,715 घायल

यांगून (आरएनएस) म्यांमार में शुक्रवार को देश में आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद के भी झटकों (आफ्टरशॉक) का सिलसिला जारी है। देश के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता के 66 झटके महसूस किए गए। इस बीच, राज्य प्रशासन परिषद (एसएसी) के अध्यक्ष मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि म्यांमार सरकार भूकंप राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए 500 अरब क्यात (लगभग 238.09 मिलियन डॉलर) आवंटित करेगी।

सरकारी दैनिक द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार की रिपोर्ट के अनुसार, म्यांमार के नेता ने यह बयान मंगलवार को ने-पी-ताव में एक नकद दान समारोह में दिया। कार्यक्रम में शुभचिंतकों ने 104.44 बिलियन क्यात (49.71 मिलियन डॉलर) नकद और 12.4 बिलियन क्यात (5.9 मिलियन डॉलर) मूल्य की गैर-नकद वस्तुएं दान कीं। शुक्रवार को म्यांमार में आए घातक भूकंप के बाद, सैन्य शासक मिन आंग ह्लाइंग ने अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील की। 31 मार्च तक 16 देशों और क्षेत्रों से बचाव दल, डॉक्टर और नर्सें मानवीय सहायता और मेडिकल स्प्लाई के साथ म्यांमार पहुंच चुकी हैं।स्थानीय दैनिक म्यांमा एलिन के अनुसार, म्यांमार में आए 18 शक्तिशाली भूकंपों में से 7.7 तीव्रता का भूकंप दूसरा सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इससे पहले 1912 में देश में 8.0 तीव्रता का भूकंप आया था।राज्य प्रशासन परिषद सूचना टीम के अनुसार, भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,085 हो गई है, 4,715 लोग घायल हुए हैं और 341 अभी भी लापता हैं। म्यांमार रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष म्यो न्युंट ने कहा कि मौजूदा बचाव अभियान में मुख्य चुनौतियों में आपदा आकलन और रसद समन्वय शामिल हैं।

खेल समाचार

गुजरात ने बेंगलुरु पर हासिल की शानदार जीत, बटलर और सिराज ने बिखेरा जलवा

नईदिल्ली,(ए)। अनुभवी बल्लेबाज जोस बटलर और मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी की बदौलत गुजरात टाइटन्स ने बुधवार को आईपीएल 2025 के 14वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज की है. बटलर (39 गेंदों पर नाबाद 73 रन) और साई सुदर्शन (36 गेंदों पर 49 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों पर 75 रन जोड़े, जिससे टाइटन्स ने 17.5 ओवर में 170 रन का मामूली लक्ष्य हासिल कर लिया।

आरसीबी ने आठ विकेट पर 169 रन बनाए थे. हालांकि, गुजरात की टीम की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और कप्तान शुभमन गिल 14 रन बनाकर आउट हो गए. टाइटंस के कप्तान ने भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर छक्का लगाया, लेकिन अगली ही गेंद पर तेज गेंदबाज ने डीप में लियाम लिविंगस्टोन को कैच थमा दिया. लेकिन इसने सुदर्शन और बटलर को एक साथ ला दिया, जिन्होंने आरसीबी के गेंदबाजों से अलग-अलग अंदाज में रन बटोरे।

सुदर्शन का आउट होना, जो 13वें ओवर में आरसीबी द्वारा दूसरी गेंद लेने के तुरंत बाद हुआ, गुजरात के लक्ष्य का पीछा करने में एक छोटी सी बाधा थी, जिसे बटलर ने बहुत प्रभावी ढंग से संभाला और टीम को जीत दहलीज पर पहुंचा दिया. इम्पैक्ट सब शेरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 30, 18 बी) ने तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़े और गुजरात को जीत दिलाई।

इससे पहले मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट लिए और लिविंगस्टोन के 54 रनों के बावजूद आरसीबी की बल्लेबाजी को आठ विकेट पर 169 रनों पर सीमित कर दिया. टाइटन्स ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, तो उन्होंने अप्रत्याशित रूप से धीमी पिच को देखते हुए भी एक मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप पर इस तरह के दबदबे की कल्पना नहीं की होगी. विराट कोहली (7) के विकेट से हुई. सिराज ने सिराज (4-0-19-3) का प्रदर्शन किया।

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर की क्रिकेट में एंट्री

-ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग में खरीदी अपनी टीम

मुंबई, (ए)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग (जीईपीएल) के बहुप्रतीक्षित सीजन 2 के लिए मुंबई फ्रेंचाइजी की मालिक बन गई हैं.जीईपीएल रियल क्रिकेट पर खेला जाता है, एक ऐसा गेम जिसने 300 मिलियन से अधिक लाइफटाइम डाउनलोड किए हैं. अपने ओपनिंग सीजन के बाद से, लीग ने तेजी से विकास देखा है, जिसमें खिलाड़ियों की रुचि में 5 गुना वृद्धि हुई है, जो सीजन 1 में 200,000 की तुलना में 910,000 रजिस्ट्रेशन तक पहुंच गई है.सारा की मुंबई फ्रेंचाइजी का ऑनरशिप क्षेत्र के साथ उनके मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है, जो ई-स्पोर्ट्स के प्रति उनके जुनून के लिए लीग की प्रतिबद्धता के अनुरूप है. नए भारत के उद्यमियों की एक विविध लाइन-अप के साथ जीईपीएल इकोसिस्टम में उनका समावेश, डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धी गेमिंग को फिर से परिभाषित करने और क्रिकेट के प्रशंसकों को बढ़ाने के लीग के मिशन को और मजबूत करता है. सारा तेंदुलकर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, क्रिकेट हमारे परिवार का एक अभिन्न अंग रहा है. ई-स्पोर्ट्स में इसकी क्षमता की खोज करना रोमांचकारी है. GEPL में मुंबई फ्रैंचाइजी का मालिक होना एक सपने के सच होने जैसा है, जो खेल के प्रति मेरे जुनून को शहर के प्रति मेरे प्यार के साथ मिलाता है. मैं एक ऐसी प्यारी ई-स्पोर्ट्स फ्रैंचाइजी बनाने के लिए हमारी प्रतिभाशाली टीम के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं जो प्रेरित करे और मनोरंजन करे।

आईपीएल में आज मुंबई और लखनऊ के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

शाम 7:30 बजे से होगा मैच

लखनऊ (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जॉइंट्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपर जॉइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना रहेगा। अब तक हुए तीन मैचों में से उसे दो मुकाबलों में हार मिली है। पिछले मैच में उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर भी सभी की नजरें रहेंगी। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने` बाद भी ऋषभ अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। तीन मैचों को मिला भी दें तो भी उनके 30 से कम रन हैं। इस मैच में अगर लखनऊ को जीत दर्ज करनी है तो कप्तान को रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस का सफर भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे भी केवल एक ही मैच में जीत मिली है। मुम्बई के भी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ला अब तक खामोश हैं। ऐसे में वह भी इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। इस मैच में उतर रही दोनो ही टीमों की हालत तकरीबन एक ही है। मुंबई को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने का भी नुकसान हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस आईपीएल सत्र से बाहर हैं।

बुमराह की जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ

शानदार गेंदबाजी की थी जिससे मुम्बई को राहत मिली है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की ओर से आईपीएल में पदार्पण करते हुए अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे।

मुंबई को अगर सुपर जॉइंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो रोहित के अलावा अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं लखनऊ की टीम भी अपने गेंदबाजों के चोटिल होने से परेशान हैं मयंक यादव सहित उसके प्रमुख गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। शार्दुल ठाकुर के टीम से जुड़ने से हालांकि उसके राहत मिली है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरण के फार्म में आने से भी टीम को लाभ हुआ है। पूरन ने अब तक तीन मैच में 189 रन बनाए हैं पर उन्हें कोई जोड़ीदारी नहीं मिला है। टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो कप्तान ऋषभ के साथ ही अन्य सभी खिलाड़ियों को एकजुट होकर खेलना होगा। टीम के पास स्पिनर रवि बिश्नोई है पर वह भी अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। उन्हें भी इस मैच में अपना प्रदर्शन ठीक करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आयुष बदोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शार्दुल ठाकुर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, विल जैक्स, बेवॉन जैकब्स, रॉबिन मिंज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विग्नेश पुथुर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कृष्णन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रीस टॉपले, सूर्यकुमार यादव।

मोहम्मद सिराज ने अपनी पुरानी टीम आरसीबी के खिलाफ ढाया कहर

बेंगलुरु। दाएं हाथ के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने घर वापसी का जश्न शानदार अंदाज में मनाया. आईपीएल 2025 के 14वें मैच में गुजरात टाइटन्स का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने इस मैदान पर अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जो अपनी पुरानी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आया. इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया. आरसीबी के खिलाफ मैच में सिराज ने 4 ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट झटके. उन्होंने फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल और लियाम लिविंगस्टोन को आउट किया. वह जीटी की आरसीबी पर शानदार जीत के हीरो रहे. आईपीएल 2025 में अब तक कुल 5 विकेट लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने लीग के 18वें सीजन में अपने बेहतर प्रदर्शन का श्रेय लगातार क्रिकेट से ब्रेक को दिया. मैच के बाद बोलते हुए, प्लेयर ऑफ द मैच, सिराज ने कहा, मैं लगातार मैच खेल रहा था, इसलिए मुझे अपनी गलतियों का एहसास नहीं हो रहा था।

वही होगा मेरा पति, युजवेंद्र चहल संग डेटिंग की अफवाहों के बीच RJ MAHVASH ने शेयर किया

नई दिल्ली(ए)। धनश्री वर्मा से तलाक के बाद क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ नजर आई आरजे महावश सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटौर रही है। क्रिकेट मैच को साथ बैठकर एंजॉय करने के बाद दोनों की दोस्ती चर्चा में आई। महावश ने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर की, जिसमें क्रिकेटर के साथ उनकी मजबूत बॉन्ड देखने को मिली। वहीं, अब आरजे महावश ने रिलेशनशिप पर एक वीडियो शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। महावश ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने रिलेशनशिप पर बात करते हुए कुछ ऐसा कह दिया कि लोगों ने इस वीडियो को युजवेंद्र चहल से जोड़कर देखना शुरू कर दिया। वीडियो में आरजे कह रही है कि मेरी जिंदगी में अगर कोई लड़का आएगा तो वो बस एक ही होगा, वही दोस्त होगा, वही बेस्ट फ्रेंड होगा, वही मेरा ब्वॉयफ्रेंड होगा और वही पति होगा, मेरी पूरी जिंदगी उसी के इर्द-गिर्द घूमेगी। मुझे नहीं चाहिए भाई कोई फर्जी दोस्त। मैं बाकी किसी लड़के को मुंह नहीं लगाती, क्योंकि मेरा वाला काफी है।

विराट कोहली को लगी चोट को लेकर बड़ा अपडेट आया सामने, फैंस की अटकी सांसें

नई दिल्ली(ए)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ फील्डिंग के दौरान उंगली में चोट लगने के बावजूद विराट कोहली ठीक हैं और चिंता की कोई बात नहीं है।जीटी द्वारा दिए गए 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान, 12वें ओवर में कोहली ने एक चौका रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनकी उंगली पर लगी और सीमा रेखा के पार चली गई। दर्द के कारण कोहली परेशान दिखे, जिसके बाद टीम का फिजियो उनका इलाज करने मैदान पर आया। हालांकि, कोहली मैदान से बाहर चले गए, लेकिन उनकी उंगली में दर्द बना रहा। जीटी ने यह मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। मैच के बाद एंडी

फ्लावर ने कहा, विराट बिल्कुल ठीक हैं, चिंता की कोई बात नहीं है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी पुरानी टीम के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर तीन विकेट लिए। सिराज को आरसीबी ने सात साल तक टीम में रखने के बाद रिलीज कर दिया था। फ्लावर ने कहा, टॉस काफी अहम था क्योंकि मैदान पर ओस थी। पहली पारी में गेंद थोड़ी रुककर आ रही थी। यह आमतौर पर चिन्नास्वामी की पिच जैसी नहीं थी, जहां गेंद तेजी से आती है। लेकिन इसका नतीजे पर ज्यादा असर नहीं पड़ा, गुजरात टाइटंस ने हमसे बेहतर खेला और सिराज ने बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने आगे कहा, सिराज ने नई गेंद से शानदार स्पेल डाला। उसकी लाइन और लेंथ बहुत अच्छी थी और उसने स्टंप्स पर लगातार हमला किया। हम सब उसे बहुत पसंद करते हैं और उसकी काबिलियत को जानते हैं। हमने इस बार अच्छी नीलामी की और संतुलित टीम बनाई है। मैं सिराज को आगे के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

एकलव्य स्कूल में पढ़ना ही विद्यार्थी की भविष्य की नींव मजबूत करने की आधारशिला है : प्रभारी मंत्री राकेश सिंह

प्रभारी मंत्री ने शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों को शिक्षा की डलिया भेंट की छात्र-छात्राओं से संवाद कर जल संरक्षण एवं वृहद स्तर पर पौध रौपण करने का संदेश दिया

नर्मदापुरम (निप्र)। एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल में पढ़ना ही छात्र-छात्राओं के भविष्य की मजबूत नींव की आधारशिला है। आप खुश किस्मत है कि आपका एडमिशन एकलव्य आवासीय विद्यालय में हुआ है उक्त उदगार प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने गुरुवार को केसला के ग्राम भरगदा के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं से कहीं। प्रभारी मंत्री एकलव्य आवासीय विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव एवं भविष्य से भेंट कार्यक्रम तथा स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। विद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने छात्र-छात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भी कहते थे कि देश की असली ताकत शास्त्रों में नहीं अपितु देश की असली ताकत अच्छी शिक्षा में है इसलिए सभी बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। अपने माता-पिता अपने शिक्षकों अपने गांव अपने प्रदेश एवं अपने देश का नाम रोशन करें प्रभारी। मंत्री ने कहा कि माता-पिता ने जिम्मेदारी से आपको यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा हैं उस जिम्मेदारी को अनुभव करके मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करें एवं भविष्य में एक अच्छे इंसान बनकर अपना एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करें। अपने माता-पिता एवं शिक्षकों का सम्मान करें। प्रभारी मंत्री ने जल की रिचार्ज करें।

प्रभारी मंत्री ने छात्र-छात्राओं से किया संवाद

प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने छात्र-छात्राओं से आमने-सामने संवाद किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से पूछा कि उन्हें स्कूल आना कैसा लगता है। 12वीं की छात्रा अनुष्का उइके ने बताया कि उन्हें स्कूल आना अच्छा लगता है क्योंकि स्कूल में उनके दोस्त हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि भविष्य में वह शिक्षक बनना चाहती हैं क्योंकि उन्हें लोगों को समझाना पसंद है। प्रभारी मंत्री ने अनुष्का की बात की सराहना करते हुए कहा कि सभी छात्र-छात्राएं उपयोगिता के बारे में समझाइश देते हुए बताया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल की उपलब्धता एवं पेयजल स्तर को बढ़ाने की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। क्योंकि जल की आवश्यकता पशु पक्षी एवं मनुष्य को समान रूप से रहती है लेकिन अभी विगत वर्षों में यह देखने में आ रहा है कि हमारी धरती का जलस्तर धीरे-धीरे कम होता जा रहा है क्योंकि पानी का उपयोग व्यक्ति जरूरत से ज्यादा कर रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने सभी छात्र-छात्राओं को समझाया कि वह हॉस्टल या कहीं अन्य जगह नल से व्यर्थ पानी बहता हुआ देखें तो नल बंद करें। उन्होंने प्राचीन कुए, बावड़ी एवं छोटे-छोटे जल संरचनाओं को बचाने का संदेश दिया और कहा की हर विद्यार्थी जल बचाने के लिए अतिरिक्त रूप से प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हम भाग्यशाली थे कि हमारे पूर्वजों ने हमें जल का वरदान दिया लेकिन अब हमारा दायित्व है कि हम अपनी आने वाले पीढ़ी के लिए जल संरक्षित रखें।

जल संरक्षण के लिए वृहद स्तर पर पौधरोपण करने का दिया संदेश

एकलव्य आवासीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं से संवाद कर जल की हमारे जीवन में महत्वता पर प्रकाश डाला और बताया कि धीरे-धीरे धरती का जलस्तर कम होता जा रहा है, अब इसके लिए आवश्यकता है कि हम सब बड़े पैमाने पर पर जल संरक्षण करें साथ ही पौधारोपण भी करें। पानी को रिचार्ज करें। पानी का उपयोग करके पानी को नीचे जमीन पर सतह पर पहुंचाएं। ताकि वाटर लेवल बढे। बारिश के पानी को संरक्षित करने का प्रयास करें। वाटर

शा.एकी.मा.वि. मालखेड़ी में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया

स्कूल के बच्चों से रूबरू हुए अधिकारी और समाजसेवी भविष्य के लिए दी उपयोगी सलाह

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत के मार्गदर्शन में नगर के शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सहित अन्य सभी शासकीय विद्यालय में शिक्षण सत्र 2025-26 के चार दिवसीय प्रवेशोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, शालाओं में ''भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया गया है। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है।

एनसीसी सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स पुरस्कार से सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। सर्वोच्च एनसीसी पुरस्कार एक विशेष पदक है। इन पुरस्कारों की घोषणा एनसीसी दिवस पर की जाती है जो हर साल नवंबर के आखिरी रविवार को पड़ता है और ये सम्मान खिताब के रूप में नगद राशि एनसीसी ग्रुप हेडक्वार्टर भोपाल के द्वारा एनसीसी कैडेट्स को उनके अच्छे कार्य के लिए दिए जाते हैं। समेरिटंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांदीपनि परिसर नर्मदापुरम संस्था प्रार्थना सभा में गुरुवार प्रात: प्रवेश उत्सव के अवसर पर एनसीसी कैडेट सार्जेंट सिद्धि सिंह को प्रथम बेस्ट कैडेट्स एवं कार्पोरल चारू चिचाम को द्वितीय बेस्ट कैडेट्स के खिताब के रूप में नकद राशि 5 एमपी बालिका बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल दिनेश कनोजिया द्वारा दी गई। इस अवसर पर समेरिटंस समूह के डायरेक्टर डां आशुतोष कुमार शर्मा, संस्था की प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत उपप्राचार्य राजेन्द्र रघुवंशी, विक्रांत खंपरिया, मैनेजर प्रदीप कुमार यादव सेकेंड आफीसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव केयर टेकर स्नेहा उपाधयाय, प्रमोद शर्मा आदि ने शुभकामनायें प्रदान की।

हम सब की भूमिका जल बचाने वाली हो, श्रमदान कर जल संरक्षित करें : प्रभारी मंत्री राकेश सिंह

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने गुरुवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नर्मदापुरम शहर के फेफर ताल स्थित तालाब के जीणोद्धार के कार्य में श्रमदान किया। पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश भी दिया। साथ ही इस अवसर पर पिपरिया की 20, 48 करोड़ लागत की दो सड़कों का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि हम सबका दायित्व है कि हम फेफर ताल स्थित तालाब को एक वृहद स्तर का रूप देवे, उसे सुंदर बनाएं, तालाब का वाटर लेवल बढ़ाएं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि हम सबको भविष्य में जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए हमारा दायित्व है कि हम सबकी भूमिका जल बचाने वाले की हो। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए जल स्रोत सूख रहे हैं। एवं वाटर लेवल नीचे जा रहा है तो हम सब जल स्रोतों के पुनर्जीवन के लिए श्रमदान करें। हर व्यक्ति फावड़ा उठाकर तालाब गहरीकरण का कार्य करें। जो कुएं एवं बावड़ी सूख चुकी है वहां पर साफ सफाई कर गहरीकरण कर उसे पेयजल योग्य बनाएं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि हमारे देखते ही देखते बहुत परिवर्तन हुआ है। हम सब पानी प्राप्त करने के लिए बोरिंग कर देते हैं लेकिन इससे समस्या का स्थाई समाधान नहीं होता है क्योंकि जितने ज्यादा लोग बोरिंग करेंगे उतना ही पानी का स्तर कम होता जाएगा।

खुशियों की दास्तां

मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना से 1 वर्ष की साईश्रुति का हुआ सफल हृदय उपचार

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना उन बच्चों के लिए संजीवनी साबित हो रही है, जिनके परिवार आर्थिक कारणों से महंगे हृदय उपचार कराने में सक्षम नहीं हैं। यह योजना जरूरतमंद बच्चों को एक स्वस्थ जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नर्मदापुरम जिले की 1 वर्षीय साईं श्रुति गौर का भी मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के अंतर्गत सफल हृदय उपचार अपोलो राजश्री हॉस्पिटल, इंदौर में किया गया। इस योजना के माध्यम से बच्ची के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिससे वे नि:शुल्क सर्जरी करा सके। नर्मदापुरम निवासी निखिल और मोनिका गौर की पुत्री साईं श्रुति को जन्मजात हृदय संबंधी समस्या थी, जिससे उसकी धड़कन सामान्य से तेज चल रही थी। कई बड़े अस्पतालों में परामर्श के बाद भी बच्ची की सर्जरी संभव नहीं हो पाई, क्योंकि उसका वजन कम था। बच्ची के अभिभावकों ने उसे सत्य साईं चिकित्सालय रायपुर, बैंगलोर और भोपाल के विभिन्न निजी अस्पतालों में भी दिखाया, लेकिन सभी ने सर्जरी करने से इनकार कर दिया। परिवार की परेशानी को देखते हुए आर.बी.एस.के. दल डोलरिया के डॉ. उमेश सिंह, डॉ. निधि सिंघई एवं श्रीमती दीपिका रधुवंशी ने बच्ची की जांच की और उसे डीईआईसी नर्मदापुरम रेफर किया गया।

प्रभारी मंत्री की बैठक में पूर्व विधायकों में विशेष उत्साह

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में वर्तमान चारों विधायकों के साथ ही पूर्व विधायकों में विशेष उत्साह दिखा। प्राय: सभी पूर्व विधायक बैठक में शामिल होने के लिए आए हुए थे। कुछ तो अपने कार्यकर्ताओं को भी साथ में लेकर आए हुए थे। प्रमुख रूप से पूर्व विधायकों में गिरजा शंकर शर्मा, सविता दीवान शर्मा, अर्जुन पलिया, हरिशंकर जायसवाल, ओमप्रकाश रघुवंशी शामिल रहे। इतना ही नहीं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष भी सक्रियता पूर्वक शामिल रहे।

पोषण भी, पढ़ाई भी, आंगनवाड़ी केंद्रों में समग्र विकास की नई दिशा

नर्मदापुरम (निप्र)। बाल्यावस्था केवल खेल-कूद और मस्ती का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन की आधारशिला रखने वाला महत्वपूर्ण दौर भी है। गर्भधारण से लेकर छह वर्ष की आयु तक का समय बच्चे के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद अहम होता है। विशेष रूप से पहले 1000 दिन, गर्भ के नौ महीने और जन्म के बाद के दो साल, बच्चे के भविष्य की नींव मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इस दौरान सही पोषण के साथ-साथ संज्ञानात्मक विकास के अवसर भी उतने ही आवश्यक होते हैं।संयुक्त परिवारों की घटती संख्या और बदलते सामाजिक परिवेश के कारण अब घर में बच्चों को पारंपरिक रूप से मिलने वाला सहज शिक्षण प्रभावित हो रहा है। इसी कमी को पूरा करने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाया जा रहा है, जहां गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं और छह वर्ष तक के बच्चों को पोषण आहार के साथ-साथ प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिये न सिर्फ माता-पिता की बल्कि समाज की भागीदारी भी आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सक्षम आंगनवाड़ी की पोषण भी, पढ़ाई भी अभियान की शुरूआत 10 मई 2023 को की गई थी। इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यवस्था में देखभाल और शिक्षा पर आंगनवाड़ी प्रणाली का ध्यान केन्द्रित करना है। साथ ही आंगनवाड़ी केन्द्र को उच्च गुणवत्ता वाली बुनियादी सुविधाओं खेल के उपकरण और विधिवत प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ एक शिक्षण केन्द्र में परिवर्तित करना भी इसका उद्देश्य है।

गर्भवती महिलाओं व शिशुओं की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करें

स्वास्थ्य अधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। नवीन अनमोल एप्लीकेशन और आरसीएच पोर्टल 2.0 का चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और शिशुओं की निगरानी के लिए पोर्टल लाभकारी है। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने के बारे में बताया जा रहा है। नर्मदापुरम के होटल प्राइम लैंड में ब्लॉक वार मेडिकल ऑफिसर, सीएचओ, डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा एएनएम को प्रशिक्षण प्रदान किया। सीएमएचओ डॉ. दिनेश देहलवार ने प्रशिक्षण में बताया कि गर्भवती माताओं के पंजीयन तथा शिशु के पंजीयन की निगरानी व समय पर टीकाकरण, हाइरिस्क गर्भवती महिला की जटिलता का शीघ्र पता लगाकर समय पर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना उद्देश्य है। अनमोल एप्लीकेशन तथा पोर्टल के नए वर्जन में पंजीयन के लिए समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा बैंक खाते की ई-केवायसी अनिवार्य रूप से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा व प्रसूति सहायता योजना के पात्र हितग्राहियों को भुगतान के लिए समग्र से आधार लिंक करवाना तथा आधार कार्ड से बैंक खाता लिंक करवाना होगा, तभी प्रोत्साहन राशि का भुगतान सीधे खाते में जमा होगा। गर्भवती महिला के पंजीयन के समय पति-पत्नी के समग्र आईडी एक ही परिवार सूची में अपडेट करवाना होगा। मास्टर ट्रेनर अनुष्का मालवीय ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से बताया कि नए एप्लीकेशन के माध्यम से पंजीयन के साथ ही हाई रिस्क एएनसी का फॉलोअप, प्रसव उपरांत दी जाने वाली सुविधा तथा बच्चों के टीकाकरण की ट्रेकिंग आसानी से की जा सकेगी।

::: राष्ट्रकवि माखन लाल चतुर्वेदी की जयंती पर विशेष ::

पुष्प की अभिलाषा कविता राष्ट्रकवि माखन लाल चतुर्वेदी जी ने जेल में लिखी थी

साहित्य और स्वतंतत्रता सेनानी के रूप में नर्मदांचल का नाम रोशन किया माखन दादा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी माखन दादा से प्रभावित होकर आए थे उनकी जन्म स्थली पर

बलराम शर्मा,

साहित्यकार, शिक्षक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में राष्ट्रकवि पं माखनलाल चतुर्वेदी ने नर्मदांचल ही नहीं भारत का नाम रोशन किया। माखन दादा के कार्यों से प्रभावित होकर महात्मा गांधी दादा की जन्म स्थली बाबई आए थे। माखन दादा बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। दादा स्वत्रंतत्रा संग्राम आंदोलन के दौरान 12 बार जेल गए उन्होंने जेल में ही पुष्प की अभिलाषा नामक कविता लिखी जो उनकी प्रसिद्ध रचना है। उनका बचपन बाबई में ही बीता है। युवावस्था में दादा खंडवा पहुंचे जहां पर उन्होंने शिक्षक का कार्य किया उसके कुछ समय बाद ही पत्रकारिता से जुड़ गए थे। पत्रकारिता करते हुए ही उन्होंने कविताएं लिखना शुरू कर दिया। हिमकिरीटनी जैसी उत्कृष्ट काव्य कृति ने उन्हें अनेक पुरूष्कार दिलवाए हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जब इटारसी आए थे तब उन्होंने इटारसी में कहा था कि मुझे माखनलाल के जन्म स्थान बाबई जाना है। बापू बाबई आए थे और सभा की थी।

दादा ने हिरनखेड़ा को बनाया था कर्मस्थली

खोला था स्कूल, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को मिलता प्रशिक्षण

एक भारतीय आत्मा के नाम से विभूषित भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों में माखन दादा का नाम प्रमुख हैं। महात्मा गांधी सहित तमाम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उन्हें बहुत सम्मान देते थे। उन्होंने अपना सारा जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। नर्मदापुरम जिले के बाबई में जन्मे चतुर्वेदीजी के नाम से उस नगर का नाम माखन नगर हो गया है। दादा की जन्म स्थली माखन नगर थी। लेकिन कर्म स्थली के रूप में उन्होंने हिरनखेड़ा को चुना था। यह बात हिरनखेड़ा गांव के अनेक लोग कहते हैं। सबसे खास बात यह है कि जिस स्थान पर वे कुछ वर्ष रहे उसका नाम स्वराज रखा गया था। जिसे गांव का बच्चा बच्चा भी स्वराज के नाम से जानता है। हिरनखेड़ा गांव के लोग कहते हैं दादा ने यहां पर एक स्कूल खोला था जिसका नाम था सेवा सदन विद्यालय। यहां पर आसपास के गांवों के बच्चे भी पढ़ने आते थे। उसी दौरान आजादी की जंग शुरू हो गई थी। स्कूल के पास का कुछ हिस्सा उस समय के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शरण स्थली के साथ ही प्रशिक्षण के काम भी आता था। सेनानियों की गुप्त बैठकें भी यहीं पर होती थी। दादा विद्यार्थियों के साथ ही सेनानियों को देश प्रेम का पाठ पढ़ाते थे। यहीं पर काव्य रचना भी करते थे। जिस स्थान पर वह रहते थे उस पूरे क्षेत्र को स्वराज का नाम दिया गया था। गांव के लोग बताते हैं कि चतुर्वेदीजी ने हिरनखेड़ा के प्राचीन तालाब के किनारे स्वराज्य आश्रम बनाया था। यहीं पर हाई स्कूल शुरू किया था साथ ही यहां पर आवासीय सुविधा भी छात्रों के लिए थी जिसमें कि बाहर कि छात्र यहीं पर रुकते थे। इन्हीं छात्रों में से एक छात्र स्व. बृजलाल वर्मा ने चलकर भारत सरकार में संचार मंत्री हुए।यहां चतुर्वेदीजी के पास स्वतंत्रता संग्राम के अनेक यशस्वी नेता भूमिगत रहकर आंदोलन चलाते थे इनमें से एक नाम पंडित सुंदरलाल तपस्वी का है जिन्हें गिरपफतार करने के लिए अंग्रेज सरकार ने बड़ा ईनाम रखा था। पंडित सुंदरलाल तपस्वी ने भारत में अंग्रेजी राज ग्रंथ की रचना की थी जिसके चार भाग प्रकाशित हुए थे और जिन्हें अंग्रेजों ने प्रतिबंधित कर दिया था। ऐसे ही यहां माखनलालजी के भाई हरिप्रसादजी भी इसी स्कूल में अध्यापक रहे थे जो बाद में श्यामा प्रसाद शुक्ल के मंत्रीमंडल में मंत्री रहे। दादा के नेतृत्व में यहां स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन की अनेक गुप्त बैठकें होती रही। विशेष बात यह थी कि दादा के भाईयों जिनमें स्वर्गीय पं रामदयाल चतुर्वेदी, ब्रजभूषण चतुर्वेदी ने भी अपना पूर्ण सहयोग दिया। जब आंदोलन तेज गति पकड़ चुका था तब दादा यहां से खंडवा की ओर चले गए थे। जहां से कर्मवीर का प्रकाशन शुरू किया।

दादा के नाम पर शासन ने दिया है ध्यान

मप्र शासन ने लोगों की मांगों पर ध्यान देते हुए दादा के नाम से उनकी जन्म स्थली बाबई का नामकरण किया है। बाबई का नाम माखन नगर करने की अधिसूचना 6 फरवरी 2022 को नर्मदा जयंती से दो दिन पूर्व होशंगाबाद का नाम नर्मदापुरम करने के साथ ही बाबई का नाम माखननगर किया गया था।

दादा के नाम पर हाईस्कूल है

दादा के नाम पर हिरनखेड़ा में स्वराज भवन का तो कोई नाम निशान नहीं बचा है। उनके नाम पर गांव में दूसरी जगह माखनलाल चतुर्वेदी हाईस्कूल जरूर संचालित हो रहा है। गांव के लोगों के लोगों की इच्छा है कि यहां पर दादा के नाम का कोई स्मारक बनना चाहिए।

माखन कुंज की भूमि का हटना चाहिए अतिक्रमण

प्रशासन ने नहीं दिया ध्यान 10 में से बची 8 एकड़ भूमि वर्ष 1991-92 में शासन ने तवा पुल के दोनों और नर्मदांचल के दोनों राष्ट्रकवि माखन लाल चतुर्वेदी और भवानी प्रसाद मिश्र के नाम 10-10 एकड़ भूमि पर कुंज बनाने की योजना बनाई थी। तवा के इस भवानी कुंज के नाम पर सिर्फ नर्सरी ही है। लेकिन उस पार की भूमि पर अतिक्रमण हो गया। जिससे वहां पर नर्सरी तक नहीं बन सकी। कुछ भूमि अभी भी है लेकिन शासन प्रशासन का ध्यान ही नहीं है। पूर्व विधायक स्व. मधुकर राव हरणे ने ध्यान देकर दोनो कुंज बनवाने व शासन से भूमि आवंटित कराने की पहल की थी। लेकिन एक कुंज बन गया एक रह गया। तत्कालीन प्रशासन ने दोनों ओर माखन कुंज और भवानी कुंज के नाम से बोर्ड लगा दिए थे। जो लंबे समय तक याद दिलाते रहे। फिर भी प्रशासन ने अनदेखी की।

-व्यवस्थित संग्रहालय हो-

देश के वरिष्ठतम साहित्यकार की जन्म स्थली माखननगर बाबई में दादा के नाम का एक व्यवस्थित संग्रहालय होना चाहिए। उन्होंने देश की आजादी में गांधी जी के साथ स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ते हुए जेल गए। उनकी श्रेष्ठ रचनाओं में से पुष्प की अभिलाषा का यह शताब्दी वर्ष है। यह कविता उन्होंने 1921 में जेल में ही लिखी थी।

कीर्ति प्रदीप वर्मा साहित्यकार
माखननगर बाबई

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com